

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



गजरौला में धूमधाम से मनाया गया रोटरी क्लब भरतियाग्राम का 40 पेज: 3

फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम के सफर को शीना चौहान ने पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 188 | सोमवार 12 अक्टूबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

कांग्रेस नेता के.सी. वेणुगोपाल बोले, सीईसी के खिलाफ विपक्ष का आंदोलन दूसरा स्वतंत्रता संग्राम

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने रविवार को कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) के खिलाफ 12 अक्टूबर को नयी दिल्ली में विपक्ष का बड़ा विरोध प्रदर्शन तय कार्यक्रम के अनुसार होगा और उन्होंने लोकतंत्र तथा मतदान के अधिकारों की रक्षा के लिए इस आंदोलन को दूसरा स्वतंत्रता संग्राम बताया। सोमवार को कांग्रेस, पूरा इंडिया गठबंधन और देश के युवा वोट चोरी के आरोपों को लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए एक बार फिर बड़ी संख्या में दिल्ली की सड़कों पर उतरेंगे। वेणुगोपाल ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि पार्टी कार्यकर्ताओं को दिल्ली पहुंचने से रोकने की कोशिश की जा रही है और उन जगहों पर छापे मारे जा रहे हैं, जहां वे ठहरे हुए हैं। उन्होंने कहा, यह सब करने के बावजूद वे हमारे आंदोलन को विफल नहीं कर पाएंगे।

पीएम मोदी ने जलकंडेश्वर मंदिर में की पूजा-अर्चना, आईआईटी मद्रास के ब्रेन रिसर्च सेंटर का भी किया दौरा



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के चेन्नई स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी मद्रास परिसर में जलकंडेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर और मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री के दौरे में आध्यात्मिक आस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, संगीत शिक्षा और विकास परियोजनाओं से जुड़े कई अहम कार्यक्रम शामिल रहे। ब्रेन रिसर्च सेंटर में वैज्ञानिक गतिविधियों का लिया जायजा जलकंडेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद प्रधानमंत्री मोदी आईआईटी मद्रास के ब्रेन रिसर्च सेंटर पहुंचे। यहां उन्होंने वैज्ञानिक अनुसंधान से जुड़ी गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरे को शिक्षा और शोध के क्षेत्र में संस्थान की भूमिका तथा अत्याधुनिक वैज्ञानिक कार्यों को समझने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इलैयाराजा सेंटर फॉर म्यूजिक लर्निंग एंड रिसर्च का उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी ने आईआईटी मद्रास में संगीतकार इलैयाराजा से जुड़े आईआईटीएम मेस्ट्रो इलैयाराजा सेंटर फॉर म्यूजिक लर्निंग एंड रिसर्च का उद्घाटन भी किया। इस केंद्र का उद्देश्य संगीत की शिक्षा, प्रशिक्षण और उससे संबंधित अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है। इसके माध्यम से संगीत और शोध के बीच सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। चेन्नई पहुंचने पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया स्वागत प्रधानमंत्री मोदी रविवार सुबह चेन्नई पहुंचे, जहां सुबह 10:58 बजे हवाई अड्डे पर राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर और मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर राज्य के मंत्री, अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी, भाजपा नेता नैनार नागेंद्रन और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। यह दौरा तमिलनाडु में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी का पहला दौरा है। चेन्नई मेट्रो के दूसरे चरण की पहली ट्रेन को दिखाई हरी झंडी इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री विजय ने पोरूर मेट्रो स्टेशन पर चेन्नई मेट्रो रेल के दूसरे चरण के नेटवर्क की पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने पोरूर से पूनामल्ली तक मेट्रो में सफर किया। मेट्रो कॉरिडोर से शहरी परिवहन को मिलेगा विस्तार कार्यक्रम से जुड़ी उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पूनामल्ली-वडापलानी मेट्रो कॉरिडोर का निर्माण 750 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। इस मेट्रो सेवा की शुरूआत को चेन्नई में शहरी परिवहन व्यवस्था के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे शहर में सार्वजनिक परिवहन के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलने की उम्मीद है। विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास का भी कार्यक्रम आईआईटी मद्रास परिसर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के तमिलनाडु में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने और नई योजनाओं की आधारशिला रखने का कार्यक्रम भी निर्धारित था।

750 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है.....

कार्यक्रम से जुड़ी उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पूनामल्ली-वडापलानी मेट्रो कॉरिडोर का निर्माण 750 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। इस मेट्रो सेवा की शुरूआत को चेन्नई में शहरी परिवहन व्यवस्था के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रदर्शन के बाद हिरासत में लिए गए लोगों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश, वकीलों ने बताई पूरी बात



नई दिल्ली। दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान लोगों को हिरासत में लिए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को सुनवाई की। यह प्रदर्शन शनिवार को हुआ था। सुनवाई के बाद वकीलों ने बताया कि अदालत ने लोगों की आवाजाही, इंटरनेट सेवाओं और मेट्रो व ट्रेनों के संचालन को लेकर जरूरी निर्देश दिए हैं। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने अदालत के आदेश पर आभार जताया। वहीं, वकील कैलाश मोरे और गौरव यादव ने बताया कि सुनवाई के बाद मेट्रो स्टेशन सामान्य रूप से चल रहे हैं और इंटरनेट सेवाएं भी बहाल कर दी गई हैं। कपिल सिब्बल बोले- न्याय व्यवस्था पर भरोसा बढ़ा सुनवाई के बाद वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, "हम सुप्रीम कोर्ट के बहुत आभारी हैं। अदालत ने ऐसा आदेश दिया है, जिससे देश की न्याय व्यवस्था पर लोगों का भरोसा फिर मजबूत होता है।" कैलाश मोरे ने बताया, मेट्रो और ट्रेनों का संचालन सामान्य वकील कैलाश मोरे ने बताया कि इंटरनेट सेवाएं बहाल कर दी गई हैं और रविवार को सभी मेट्रो स्टेशन सामान्य रूप से चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अदालत ने साफ किया कि शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करना लोगों का मौलिक अधिकार है। लोग बिना हथियार और कानून का पालन करते हुए प्रदर्शन कर सकते हैं। मोरे के मुताबिक, दिल्ली के बाहर से आने वाली जिन ट्रेनों को पहले नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर रुकने से रोका गया था, उनके सामान्य संचालन के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली में लोगों के आने-जाने पर लगी रोक हटा दी गई है। अब नागरिक शहर में स्वतंत्र रूप से आ-जा सकते हैं। गैरकानूनी हिरासत में रखे लोगों को छोड़ने के निर्देश कैलाश मोरे ने बताया कि अदालत ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को कानून की तय प्रक्रिया का पालन किए बिना हिरासत में नहीं रखा जा सकता। उन्होंने कहा कि शनिवार को हुई गिरफ्तारियों और हिरासत के बाद अगर किसी व्यक्ति को गैरकानूनी तरीके से रोका गया

बेडरूम से किडनैप किया, रिहाई के बाद ध्रुव राठी ने जारी किया वीडियो, पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने दिल्ली आए यूट्यूबर ध्रुव राठी को पुलिस हिरासत से छोड़ दिया गया है। शनिवार देर रात उनकी रिहाई हुई। इसके बाद रविवार को ध्रुव राठी ने एक वीडियो जारी कर अपनी हिरासत के बारे में बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें घर में सोते समय उठाया और उनके साथ गलत व्यवहार किया। ध्रुव राठी ने अपनी हिरासत को 'किडनैपिंग' बताया है। रिहाई के बाद ध्रुव राठी ने क्या कहा? वीडियो की शुरूआत में ध्रुव राठी ने पिछले 24 घंटों में मिले लोगों के प्यार और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने अपना पासपोर्ट दिखाते हुए कहा कि वह भारतीय नागरिक हैं और हमेशा रहेंगे। ध्रुव राठी ने कहा कि उनके विदेशी पासपोर्ट धारक होने और प्रदर्शन में शामिल न हो सकने की जो बातें कही जा रही हैं, वे गलत हैं। उन्होंने कहा, "मैं एक भारतीय नागरिक हूं और मुझे भी वही अधिकार मिले हैं, जो एक आम नागरिक को मिलते हैं।" सुबह 7 बजे बेडरूम में सो रहा था, तभी घर में घुसे लोग ध्रुव राठी ने 10 अक्टूबर की सुबह हुई घटना के बारे में बताते हुए कहा कि वह सुबह करीब 7 बजे अपने बेडरूम में सो रहे थे। उसी समय उनकी मां ने घर का दरवाजा खोला। उन्होंने आरोप लगाया कि आम कपड़ों में आए करीब 20 लोग उनकी मां को धक्का देकर घर में घुस गए और फिर पूरे घर में फैल गए। ध्रुव राठी ने कहा कि ये लोग सीधे उनके बेडरूम में पहुंचे और उन्हें वहां से ले गए। उन्होंने अपनी हिरासत को 'किडनैपिंग' बताते हुए कहा, "मैं यहां किडनैप शब्द का इस्तेमाल कर रहा हूं

मेट्रो, तेज रफ्तार रेल और 5,110 करोड़ रुपये, पीएम मोदी के सामने सीएम विजय ने रखीं मांगें



नई दिल्ली। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी, उद्घाटन किया और कई परियोजनाएं देश को समर्पित कीं। इस कार्यक्रम में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विजय ने राज्य के विकास से जुड़े कई मुद्दे उठाए। उन्होंने कोयंबटूर और मदुरै में मेट्रो रेल चलाने की योजना पर फिर से विचार करने, तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच मेट्रो लाइन बनाने और केंद्र से शिक्षा के लिए बकाया 5,110 करोड़ रुपये जारी करने की मांग की। कोयंबटूर और मदुरै में मेट्रो चलाने की मांग मुख्यमंत्री विजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कोयंबटूर और मदुरै में मेट्रो रेल बनाने की योजना पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे तमिलनाडु के पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों के विकास और आर्थिक तरक्की को फायदा होगा। उन्होंने तमिलनाडु के होसुर से कर्नाटक के बोम्मासंद्रा तक मेट्रो रेल लाइन बनाने की मंजूरी देने की मांग भी की। उनके मुताबिक, इस लाइन से दोनों राज्यों के लोगों को फायदा होगा। बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई के बीच तेज रफ्तार रेल का स्वागत मुख्यमंत्री विजय ने केंद्रीय बजट 2026 में बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई के बीच दो तेज रफ्तार रेल गलियारों की घोषणा के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से इस क्षेत्र को फायदा होगा। गोदावरी-कावेरी नदी जोड़ने की परियोजना को प्राथमिकता देने की मांग सीएम विजय ने गोदावरी-कावेरी नदी जोड़ने की परियोजना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इससे दक्षिणी राज्यों में पानी की उपलब्धता बढ़ाने का अच्छा मौका मिल सकता है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस परियोजना को प्राथमिकता देने और राष्ट्रीय परियोजना के रूप में शुरू करने का अनुरोध किया। चेन्नई मेट्रो के दूसरे चरण के उद्घाटन पर जताया आभार मुख्यमंत्री विजय ने तमिलनाडु की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार को घेरा, बोले- आज देश में अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति



नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा। कर्नाटक के कलबुर्गी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि देश में इस समय अघोषित आपातकाल जैसे हालात हैं। खरगे ने दावा किया कि आपातकाल के दौरान भी ट्रेन, फ्लाइट और शैक्षणिक संस्थानों का काम इस तरह प्रभावित नहीं हुआ था, जैसा आज हो रहा है। सड़क, बस और इंटरनेट बंद करने का लगाया आरोप खरगे ने आरोप लगाया कि मौजूदा समय में सड़कें, बसें, ट्रेनें और इंटरनेट बंद किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि मोबाइल फोन जब्त किए जा रहे हैं और युवाओं के साथ पुलिस सख्ती कर रही है। खरगे ने इन हालात के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिम्मेदार ठहराया। पीएम मोदी और शाह पर लोकतंत्र को लेकर निशाना समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने चुनाव में ईवीएम और वोटों में कथित गड़बड़ी का मुद्दा भी उठाया। खरगे ने कहा कि पहले ईवीएम को लेकर सवाल उठाए जाने पर लोग मजाक उड़ाते थे। लेकिन अब, उनके मुताबिक, चुनाव आयोग के दो सदस्यों ने खुद बताया है कि व्यवस्था में कितनी गड़बड़ियां हैं और वोटों में कथित तौर पर कैसे हेरफेर किया जाता है, उन्हें चुराया जाता है या बदला जाता है। चुनाव आयोग को शिकायत देने का किया दावा खरगे ने दावा किया कि वोटों में कथित हेरफेर और चोरी से जुड़ी जानकारी चुनाव आयोग के सभी लोगों को नहीं थी। उनके मुताबिक, जब चुनाव आयोग के इन दो सदस्यों को इसकी जानकारी मिली, तो उन्होंने लिखित रूप से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को इसकी सूचना दी। खरगे ने आरोप लगाया कि इस शिकायत पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों का भी किया जिक्र खरगे ने कहा कि राहुल गांधी महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक के अलंद तथा महादेवपुरा जैसे क्षेत्रों में कथित वोट चोरी का मुद्दा पहले से उठाते रहे हैं।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लड़ाई मोदी के खिलाफ हो गई... रिहाई के बाद सीजेपी नेताओं ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा



नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने पहुंचे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के तीन नेताओं को रविवार को रिहा कर दिया गया। इनमें अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास शामिल हैं। रिहाई के बाद तीनों ने दिल्ली के प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस की और सरकार व दिल्ली पुलिस पर सवाल उठाए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में आशुतोष रांका ने कहा कि चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ शुरू हुई लड़ाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने खिलाफ कर लिया है। वहीं, सौरव दास ने आरोप लगाया कि हिरासत के दौरान उनके फोन ले लिए गए, लेकिन उन्हें फोन जब्त करने की रसीद नहीं दी गई। आशुतोष रांका बोले- पुलिस ने हमें किडनैप किया आशुतोष रांका ने आरोप लगाया कि उन्हें हिरासत में नहीं लिया गया, बल्कि किडनैप किया गया। उन्होंने दिल्ली पुलिस पर अमानवीय व्यवहार करने का आरोप लगाया और कहा कि देश में इमरजेंसी जैसे हालात बन गए हैं। रांका ने कहा, "जो लड़ाई चुनाव आयोग के खिलाफ थी, जो लड़ाई ज्ञानेश कुमार के खिलाफ थी, वो लड़ाई नरेंद्र मोदी ने अपने खिलाफ कर ली।" उन्होंने कहा, "राजा की जान तोते में है।" इस दौरान उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। दादी के अंतिम संस्कार के लिए महाराष्ट्र गए अभिजीत दीपके आशुतोष रांका ने बताया कि अभिजीत दीपके अपनी दादी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए महाराष्ट्र के हिंगोली रवाना हो गए हैं। अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को रविवार को कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया था। इसके बाद तीनों को रिहा कर दिया गया। सौरव दास का आरोप- फोन जब्त किए, रसीद भी नहीं दी सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके फोन ले लिए, लेकिन फोन जब्त करने से जुड़ी कोई रसीद नहीं दी। उन्होंने कहा, "हमें शक है कि हमारे फोन हैक किए गए हैं या उनकी नकल तैयार की गई है।" सौरव दास ने आशंका जताई कि उनके फोन में मौजूद जानकारी से छेड़छाड़ की गई हो सकती है। उन्होंने कहा कि उन्हें डर है कि फोन में दस्तावेज या दूसरी सामग्री डाली जा सकती है, जिसे बाद में सबूत के तौर पर पेश किया जाए। उन्होंने कहा कि उनके फोन की सुरक्षा से समझौता हुआ हो सकता है। हालांकि, फोन है



संपादकीय

कैंसर इलाज में राहत

सही मायने में इसे एक अमानवीय कृत्य ही कहा जाएगा कि कैंसर जैसे घातक रोग से जूझ रहे मरीजों से दवाओं के मनमाने दाम वसूले जाएं। इस जानलेवा रोग से जूझ रहे मरीजों को यूं तो उपचार की अन्य मदों में भी काफी खर्च करना पड़ता है, लेकिन दवाओं की अधिक कीमतों पर नियंत्रण लगाया जाना किसी हद तक राहतकारी साबित हो सकता है। अब केंद्र सरकार ने नॉन-शेड्यूल्ड एंटी-कैंसर दवाइयों पर ट्रेड मार्जिन को तीस फीसदी तक सीमित करने का फैसला किया है। निस्संदेह, यह कदम उस हेल्थकेयर क्षेत्र में एक स्वागत योग्य पहल है, जहां मरीजों को अधिक पैसा चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। दरअसल, कैंसर का त्रास झेल रहे व्यक्ति व उसके परिवार पर इस रोग का उपचार आर्थिक रूप से भारी बोझ डालता है। ऐसे में कैंसर रोग में काम आने वाले दवाइयों की कीमत में कमी लाने का प्रयास समय की जरूरत भी है। सरकार का अनुमान है कि दवाइयों की कीमतों में नये सिरे से नियमन के जरिये मरीजों को हर साल 2,500 करोड़ रुपये तक की बचत होगी। इस बाबत दावा किया जा रहा है कि कुछ दवाइयों की कीमतों में सत्तर फीसदी तक की कमी आ सकती है। हालांकि, मरीजों को लाभ के आंकड़े अनुमानित हैं और इनकी हकीकत प्रावधानों के लागू होने पर ही स्पष्ट हो पायेगी। वास्तव में सबसे पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि दशार्यी जा रही राहत वास्तव में मरीजों तक भी पहुंचे। समय रहते अधिकारियों को तुरंत उन दवाओं की जानकारी मरीजों व तिमारदारों को देनी चाहिए, जिन पर यह कटौती लागू की गई है। साथ ही दर्ज की गई कीमतों में बदलाव को भी स्पष्ट करना चाहिए। इसके अलावा नियमों का पालन सुनिश्चित करने पर नजर रखी जानी चाहिए। दूसरी ओर ज्यादा कीमत वसूलने वालों पर जुमार्ना लगाया जाना चाहिए। सरकार को यह भरोसा भी कायम करना होगा कि नई कीमत नियमन के लागू होने के बाद दवा कंपनियां सप्लाई यथावत बनाये रखेंगी। सही मायने में कीमतों में आई असली कमी झमरीजों की बचत और दवाइयों की उपलब्धता की समय-समय पर जानकारी देने से ही सुनिश्चित हो सकेगी। तभी पता चलेगा कि यह कदम वास्तव में कितना कारगर है। दरअसल, सरकार द्वारा कैंसर के मरीजों को राहत देने का यह प्रयास नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी के 2019 के उस फैसले को ही आगे बढ़ाता है, जिसमें 42 नॉन-शेड्यूल्ड कैंसर-रोधी दवाओं को शामिल किया गया था। दावा किया जाता रहा है कि उस पहल के उपरांत दवाइयों के 526 ब्रांड्स में वार्षिक रूप से 984 करोड़ रुपये की बचत मरीजों को हुई थी। अतः पिछला अनुभव बताता है कि ट्रेड मार्जिन को रेगुलेट करने से पूरी मार्केट में एक जैसी कीमतें लागू किए बिना भी मरीजों को वास्तविक लाभ जमीनी स्तर पर मिल सकता है। वास्तव में कैंसर के मरीजों को राहत देने के उपायों के क्रम में और अधिक दवाइयों को इस राहत के दायरे में लाना होगा। जिसमें विदेशों से आयातित और पेटेंटेड दवाइयां भी शामिल हैं। तभी कैंसर रोगियों को वास्तव में अधिक राहत मिल सकेगी क्योंकि अभी भी उन्हें बहुत ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है।

चिंतन-मनन

सुखी रहने के लिए लें धर्म की शरण!

दुनिया का हर व्यक्ति केवल सुख ही चाहता है। दुख से सब दूर भागते हैं। यदि हमें सुखी रहना है तो सबसे पहले धर्म से जुड़ना होगा। किसी के मन को दुखाना भी पाप है। भागदौड़ भरी जिंदगी में आज हर व्यक्ति विवेक नहीं रख पाता है। इसलिए पाप बंध को बांधता चला जाता है और पाप बंधने के कारण सुखी नहीं हो पाता। इसलिए सुखी रहने के लिए धर्म की शरण में जाकर धर्म के मर्म को समझना होगा। धर्म की शुरूआत व्यक्ति को सबसे पहले अपने घर से ही करना चाहिए। यदि हम विवेकपूर्ण जीवन जिएंगे तो पाप से बच पाएंगे और जो पाप से बच पाएगा, वहीं सही मायनों में धर्म से भी जुड़ पाएगा। मयार्दाओं को भंग करना पाप की श्रेणी में आता है। इसी तरह किसी के मन को दुखाना भी पाप है। हमें अपने जीवन काल में सुख प्राप्ति के लिए जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा, क्योंकि जिनवाणी अमृत रूप है। हमारा सौभाग्य है कि हमें जिनवाणी श्रवण का सुअवसर मिला है। जीवन में यदि सुख प्राप्त करना है तो जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा।

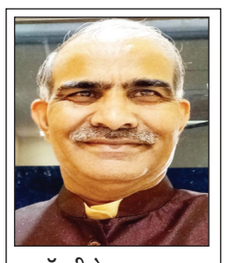
धर्म आधारित जीवन जीते हुए ही मनुष्य वैराग्य की ओर अग्रसर हो सकता है। संपूर्ण जीवन लोभ, मोह, मद, मान और माया में ही व्यतीत हो जाता है और प्रभु आराधना का समय ही नहीं मिल पाता तथा व्यक्ति संसार से प्रस्थान भी कर जाता है। संसार में रहते हुए वैराग्य के प्रसंग जीवन में आते हैं। फिर भी विरक्ति नहीं होती। इसलिए निरंतर साधना व स्वाध्याय करते रहना चाहिए। सुखी और सफल जीवन के लिए भौतिक सुख नहीं, आध्यात्मिक सुख ज्यादा जरूरी है, जो वैराग्य से ही प्राप्त हो सकता है। संसार के सभी जीव सुख चाहते हैं। सभी लोग सुख प्राप्त करने के लिए ही पुरुषार्थ करते हैं, लेकिन सच्चा सुख कहां है, इसका हमें ध्यान नहीं है। जो जीवात्मा अरिहंत परमात्मा की वाणी को आत्मसात करती है, उसकी सभी प्रकार की आधि-व्याधि नष्ट हो जाती है। जिसने आत्मस्वरूप की पहचान कर ली है, वही धर्मध्यान में लीन होगा। हमारे आर्तध्यान और रौद्रध्यान से जीवन भटक जाता है। धर्मध्यान को अपनाकर व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति में भी समभाव को धारण कर सकता है। आज धर्मध्यान की जगह धन का ध्यान ज्यादा किया जा रहा है। पैसा साधन जरूर है, पर वह साध्य नहीं है। विडंबना यह है कि आज व्यक्ति धन को ही साध्य मानने की भूल कर रहा है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

नवरात्र पर घर घर मे होती है साझी पूजा



डॉ. श्रीगोपाल नारसन

नवरात्र का पर्व देवी पूजा के विभिन्न रूपो की साधना का अवसर है। जिसमे आस्था, लोकसंस्कृति, शिल्प कला और बच्चों में कलात्मक गुणों का समावेश करने की पुरातन परम्परा है।इन्ही में से एक है,नवरात्र पर देवी रूप में सांझी की स्थापना और फिर पूरे नवरात्र सांझी की लोकगीतों के साथ पूजा।स्तुति रूपी इन लोकगीतों में, लिल्ली धोडी रे कौन फिरे सवार, मै था दुलीचन्द बोबो हे, सांझी का लेवणहार। बोबो थोडा पिला दे हे तेरा बीर प्यासा जाए। नवरात्रों पर हर घर में यह लोकगीत पुराने समय से गाया जाता है।सांझी की आरती के रूप में सुबह शाम गाये जाने वाले इस लोग गीत में कही न कही एक संदेश है,साथ ही भारतीय संस्कृति की अनूठी झलक भी इस गीत में देखने को मिलती है। श्राद्ध के अन्तिम दिन अमावस्या को देवी रूप में मिटटी से बनी मां सांझी को प्रतिष्ठित कर मां सांझी की पूरे नवरात्रों तक पूजा अर्चना की जाती है। पहले गांव हो या शहर, घर लडकियां कच्ची मिटटी से नई नई डिजाईन व नये नये साज श्रंगार के साथ सांझी तैयार करती थी। सांझी के साथ चांद तारे से लेकर कई आकृतियां सजाई जाती थी। जो शिल्पकला का अदभुत नमूना होता है।

श्राद्ध पक्ष आते ही सांझी बनाने का सिलसिला शुरू हो जाता है और नवरात्र से एक दिन पहले गोबर से चिपकाकर दिवारों पर सांझी लगाई जाती है।समय के साथ सांझी भी हाईटेक हो गई है। अब सांझी घरो में बनाने के बजाए बाजार से खरीदकर लगाई जाती है।एक सांझी 100 रुपए से 500 रुपए तक आसानी से मिल जाती है। ऐसे में सांझी को घर में बनाने की परम्परा अब खत्म प्रायः हो गई है।जिससे घर की लडकियां सांझी बनाने की शिल्पकला से वंचित हो गई है। एक बोध कथा के अनुसार, सांझी एक गरीब परिवार में जन्मी एक ऐसी लडकी थी, जिसे ससुराल भी गरीब ही मिली।

ससुराल में सांझी को कई झूठे इल्जाम और ताने सहन करने पडते थे। यानि सांझी को ससुराल में प्रताडित किया गया। सांझी को मायके लिवाने जब उसका भाई दुलीचन्द उसकी ससुराल आया तो उससे सांझी की पीडा देखी नही गई। हद तो तब हो गई जब ससुराल वालों ने सांझी को उसके भाई के साथ भेजने से इंकार कर दिया।सांझी जिद पर अड गई और भाई दुलीचन्द के साथ मायके चली गई । जहां पहुंचने पर सांझी की आरती उतारकर पूरे गांव ने स्वागत किया। सांझी के मायके में स्वागत के दौरान चना जिसे चाब कहा जाता है,का प्रसाद बाटा गया । तभी से यह पर्व मनाने और पर्व पर चाब के रूप में भीगे हुए चने बांटने की परम्परा है।

राधा बल्लभ संप्रदाय के अनुयायी सांझी को राधा कृष्ण की प्रेम भक्ति के रूप व्याख्यायित करते है तो कही कही सांझी की पूजा 16 दिनों तक किये जाने की भी परम्परा है। लोक कथाओं के साथ साथ लोक गीतों में कालजयी सांझी की कथा सहज ही समझ में आ जाती है। सांझी की आरती सुबह शाम करते समय प्रार्थना के रूप में जो लोक गीत गाए जाते है उन लोक गीतो की एक बानगी देखिए, चाब दे री चाब दे सांझी की मां चाब दे , तेरी सांझी जीवे चाब दे । इसी तरह आरता री आरता सांझी मां आरता । गाकर सांझी मां की पूजा की जाती है।

इसी सांझी मां की प्रतिमा के सामने सांझी स्थापना के अगले दिन कच्ची मिटटी में जौ बोये जाते है। प्रतिदिन सुबह शाम सांझी को स्नान कराते समय व भोग लगाते समय इन बोये गए जौ में नियमित पानी छिडकने से जौ अकुंरित होकर पौधा बनने लगता है जिसे नोरते कहते है। चूंकि दशहरे तक ये नोरते काफी बडे हो जाते है इस लिए इन्ही नोरतों से दशहरे की पूजाकर कर बहने अपने भाईयों के कानो पर नोरते रखकर उनकी दिधार्यु की कामना करती है और बदले में भाई अपनी बहन को सोगात देता है। हांलाकि सांझी प्रतिमा को दशहरे से एक दिन पूर्व ही श्राद्धाभाव से उतारकर किसी दरिया में विर्सजित कर दिया जाता है।घर की लडकिया सांझी प्रतिमा को विर्सजित करते समय उदास भी होती है क्योंकि उन्होने सांझी की प्रतिमा को बडे परिश्रम व उत्साह से बनाया था। परन्तु उन्हे यह ढांढस बंधाकर कि अगले साल फिर सांझी मां आएगी और उन्हे फिर से सांझी की एक अच्छी सी प्रतिमा बनाने का अवसर मिलेगा, लडकियों को मना लिया जाता है।सचमुच लडकियों में सांझी बनाने के नाम पर उनकी शिल्पकला प्रर्दशित करने का नवरात्र एक अच्छा अवसर



है। जिसमें कन्या की पूजा के साथ ही स्त्री शक्ति सम्मान के रूप में मां दुर्गा का भावपूर्ण स्मरण किया जाता हैऔर श्रद्धालु पूरे नवरात्र उपवास रखकर मां सांझी व मां दुर्गा की पूजा अर्चना करते है। साथ ही नन्ही मुन्नी बच्चियों को भोजन कराकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। है न भारतीय संस्कृति की यह अनूठी परम्परा ,जहां आधी दुनिया यानि स्त्री जाति के सम्मान का एक बडा अवसर है। शास्त्रों में भी उल्लेख मिलता है कि जहां नारी का सम्मान होता है वहां ईश्वर वास करते है और जहां ईश्वर वास करते है वह स्थान स्वर्ग बन जाता है।तो आइए इस धरा को भी स्वर्ग बनाए कन्या भ्रूण हत्या होने न दे,बेटी के जन्म पर फक्र करे और उन्हें बेटो के समान पोषण व संरक्षण दे।तभी नवरात्र की सार्थकता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बेटियों को बचपन, अधिकार और उड़ान देने का समय



श्वेता गोयल

बाल विवाह मिटेगा, तभी बेटियों का भविष्य खिलेगा...

किसी समाज की प्रगति का वास्तविक आकलन उसकी ऊंची इमारतों, आर्थिक समृद्धि अथवा तकनीकी उपलब्धियों से ही नहीं, इस बात से भी होता है कि वहां जन्म लेने वाली प्रत्येक लड़की को अपने सपने चुनने, उन्हें पूरा करने और अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने की कितनी स्वतंत्रता प्राप्त है। विडंबना है कि 21वीं सदी में विज्ञान और तकनीक नई ऊंचाइयां छू रहे हैं, महिलाएं अंतरिक्ष से लेकर संसद तक अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं लेकिन दुनिया के अनेक हिस्सों में लाखों लड़कियों का बचपन आज भी बाल विवाह जैसी कुप्रथा की भेंट चढ़ रहा है। उनके हाथों में किताबों के बजाय घरेलू जिम्मेदारियां थमा दी जाती हैं और उनके सपनों को सामाजिक परंपराओं की दुहाई देकर समय से पहले कुचल दिया जाता है। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं बल्कि उस व्यवस्था से सवाल करने का दिन है, जो लड़की के जन्म से ही उसके भविष्य की सीमाएं निर्धारित करने लगती है।

प्रतिवर्ष 11 अक्तूबर को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस की स्थापना संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 19 दिसंबर 2011 को प्रस्ताव 66/170 के माध्यम से की थी। वर्ष 2012 में पहली बार इस दिवस का आयोजन हुआ। वर्ष 2026 का विषय है 'बाल विवाह समाप्त करो और लड़कियों के अधिकारों में निवेश करो!' यह संदेश स्पष्ट करता है कि बालिकाओं के सामने मौजूद चुनौतियों का समाधान केवल कानून बनाने अथवा जागरूकता अभियान चलाने से नहीं होगा। इसके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, कौशल विकास और आर्थिक स्वतंत्रता में निरंतर निवेश करना होगा। संयुक्त राष्ट्र और यूनिसेफ ने इस वर्ष लड़कियों की आवाज, नेतृत्व तथा अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेने के अधिकार को विशेष महत्व दिया है। बाल विवाह वस्तुतः बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वतंत्रता का एक साथ हनन है। कम उम्र में विवाह होने से लड़कियों की पढ़ाई छूटने, कम उम्र में गर्भधारण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं, घरेलू हिंसा और आर्थिक निर्भरता का जोखिम बढ़ सकता है। इससे उनका व्यक्तित्व विकास बाधित होता है और निर्णय लेने की क्षमता सीमित रह जाती है। गरीबी, दहेज की चिंता, असुरक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा की गलत धारणाएं और पितृसत्तात्मक मानसिकता इस कुप्रथा को बनाए रखने में भूमिका निभाती हैं। कई परिवार आर्थिक कठिनाइयों से छुटकारा पाने अथवा लड़की की सुरक्षा सुनिश्चित करने के नाम पर कम उम्र में विवाह को उचित ठहराते हैं जबकि वास्तविक समाधान उसे शिक्षित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, दुनिया में हर वर्ष 1.2 करोड़ से अधिक लड़कियों का विवाह 18 वर्ष की आयु पूरी होने से पहले हो जाता है। यह आंकड़ा बताता है कि बाल विवाह कोई सीमित क्षेत्र की सामाजिक समस्या नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर बाल अधिकारों के सामने खड़ी गंभीर चुनौती है। यूनिसेफ के अनुसार, पिछले दशकों में बाल विवाह की व्यापकता घटाने में प्रगति हुई है लेकिन इसकी रफ्तार तेज करना जरूरी है। संघर्षग्रस्त क्षेत्रों, मानवीय संकटों और जलवायु आपदाओं से प्रभावित समुदायों में लड़कियों के सामने जोखिम और बढ़ जाते हैं। विस्थापन, गरीबी तथा शिक्षा और सुरक्षा सेवाओं की अनुपलब्धता उन्हें कम उम्र में विवाह के प्रति अधिक असुरक्षित बना सकती है। भारत में भी स्थिति संतोषजनक नहीं कही जा सकती। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार, 20 से 24 वर्ष आयु वर्ग की 23.3 प्रतिशत महिलाओं का विवाह 18 वर्ष से पहले हो गया था। यह आंकड़ा पिछले सर्वेक्षण के 26.8 प्रतिशत से कम अवश्य है लेकिन अब भी लगभग हर चार में से एक महिला के बाल विवाह के अनुभव की ओर संकेत करता है। राज्यों और सामाजिक समूहों के बीच अंतर भी इस चुनौती को जटिल बनाता है। इसलिए राष्ट्रीय औसत में सुधार को समस्या का अंत मान लेना उचित नहीं होगा। ग्रामीण क्षेत्रों, वंचित समुदायों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों तक प्रभावी सहायता पहुंचाना अब भी आवश्यक है।

बाल विवाह के विरुद्ध भारत में कानूनी व्यवस्था मौजूद है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सामान्यतः लड़की के लिए 18 वर्ष और लड़के के लिए 21 वर्ष से कम आयु में विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है। कानून का उद्देश्य केवल विवाह रोकना नहीं बल्कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना भी है। हालांकि, कानून की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि बाल विवाह की सूचना मिलने पर प्रशासन कितनी तत्परता से कार्रवाई करता है, बाल संरक्षण तंत्र कितना सक्रिय है और पीड़ित बालिका को विवाह रुकने के बाद शिक्षा, परामर्श, सुरक्षा तथा आर्थिक सहायता कितनी उपलब्ध होती है। किसी विवाह को रोक देना महत्वपूर्ण है लेकिन लड़की को उसके बाद सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन का अवसर देना उतना ही जरूरी है।

बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए भारत में कई महत्त्वपूर्ण पहलें की गई हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान ने बालिका के जन्म, शिक्षा और सामाजिक सम्मान को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाने में भूमिका निभाई है। सुकन्या समृद्धि योजना परिवारों को बालिका के भविष्य के लिए बचत करने का अवसर देती है। शिक्षा के क्षेत्र में छात्रवृत्तियां, विद्यालयों में शौचालय, किशोरियों के स्वास्थ्य कार्यक्रम और कौशल विकास की पहलें उनकी निरंतर पढ़ाई तथा आत्मनिर्भरता के लिए उपयोगी हैं। पश्चिम बंगाल की कन्याश्री जैसी योजनाओं ने बालिकाओं की शिक्षा जारी रखने और बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया है। किंतु योजनाओं की वास्तविक उपलब्धि घोषणाओं अथवा लाभार्थियों की संख्या से नहीं, इस बात से मापी जानी चाहिए कि कितनी लड़कियां विद्यालय में बनी रही, कितनों का विवाह कानूनी आयु से पहले नहीं हुआ और कितनों को अपनी पसंद का जीवन चुनने की स्वतंत्रता मिली।

बालिका अधिकारों का प्रश्न शिक्षा और विवाह की आयु तक सीमित नहीं है। डिजिटल युग में इंटरनेट तक असमान पहुंच, ऑनलाइन उत्पीड़न, लैंगिक भेदभाव और सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों की कमी भी लड़कियों की संभावनाओं को सीमित करती है। विद्यालयों में विज्ञान, तकनीक, गणित और उद्यमिता के अवसरों के साथ जीवन-कौशल, डिजिटल साक्षरता, आत्मरक्षा तथा स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। किशोरियों को मासिक धर्म, प्रजनन स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य पर बिना संकोच बात करने का वातावरण मिलना चाहिए। परिवारों को भी यह समझना होगा कि सुरक्षा के नाम पर लड़कियों की आवाजाही, मित्रता और शिक्षा पर अनावश्यक प्रतिबंध लगाना समाधान नहीं है। सुरक्षित वातावरण तैयार करना समाज और संस्थाओं की जिम्मेदारी है।

वैश्विक स्तर पर लैंगिक समानता की स्थिति भी बताती है कि अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। विश्व आर्थिक मंच की ह्यग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025ह्ल में भारत 148 अर्थव्यवस्थाओं में 131वें स्थान पर रहा और उसका समग्र लैंगिक समानता स्कोर 64.4 प्रतिशत दर्ज किया गया। यह सूचकांक बालिकाओं की स्थिति का प्रत्यक्ष माप नहीं है लेकिन व्यापक लैंगिक असमानताओं की ओर संकेत करता है, जिनका प्रभाव लड़कियों के अवसरों और भविष्य पर पड़ सकता है। इसी प्रकार, संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन और अंतर-संसदीय संघ की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, 1 जनवरी 2025 तक विश्वभर में मंत्रिमंडल स्तर के पदों पर महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 22.9 प्रतिशत थी। इससे स्पष्ट है कि शिक्षा और प्रतिभा के बावजूद निर्णय लेने वाली संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता बनी हुई है।

बाल विवाह समाप्त करने के लिए सरकार, प्रशासन, विद्यालयों, पंचायतों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों और परिवारों को साझा जिम्मेदारी निभानी होगी। प्रत्येक बालिका का विद्यालय में नामांकन ही नहीं, उसकी नियमित उपस्थिति और माध्यमिक शिक्षा पूरी करना भी सुनिश्चित किया जाए। बाल विवाह की आशंका वाले क्षेत्रों में स्थानीय निगरानी समितियां सक्रिय हों, शिकायत तंत्र सुलभ बने और पीड़ित लड़कियों को संरक्षण तथा पुनर्वास मिले। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को ऐसी सहायता दी जाए, जिससे बेटी की पढ़ाई आर्थिक बोझ न बने। योजनाओं के बजट, लाभार्थियों और परिणामों का सार्वजनिक मूल्यांकन हो तथा बालिकाओं को प्रभावित करने वाले निर्णयों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। सबसे बढ़कर, लड़कों और पुरुषों को भी समानता के इस अभियान का सहभागी बनाना होगा क्योंकि भेदभावपूर्ण सामाजिक मान्यताओं में बदलाव सामूहिक प्रयास से ही संभव है। किसी लड़की का भविष्य उसकी जन्मतिथि, आर्थिक स्थिति या सामाजिक रूढ़ियों से निर्धारित नहीं होना चाहिए। उसे बचपन में खेलने, शिक्षा प्राप्त करने, प्रश्न पूछने, अपनी राय रखने और अपनी राह चुनने का अधिकार है। बाल विवाह की समाप्ति केवल एक कुप्रथा का अंत नहीं बल्कि समानता, गरिमा और न्यायपूर्ण समाज की दिशा में निर्णायक कदम है। यदि हम बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और नेतृत्व में आज निवेश करेंगे तो उसका लाभ आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचेगा।

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

हिमालय की प्रदूषण-मुक्ति भी हो पहाड़ी तीर्थयात्रा का उद्देश्य

हिमालय केवल पर्वतों की एक शृंखला नहीं है, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक आस्था और प्राकृतिक जीवन का आधार है। उसकी चोटियों में तप की स्मृतियां हैं, उसकी नदियों में करोड़ों लोगों की जीवनधारा बहती है और उसकी घाटियों में असंख्य धार्मिक स्थल सदियों से श्रद्धालुओं को आकर्षित करते रहे हैं। हिमाचल प्रदेश सहित पूरे हिमालयी क्षेत्र में हिंदू धर्म के अनेक प्रमुख तीर्थस्थल हैं। इन स्थानों पर पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आस्था का विषय है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि पिछले कुछ वर्षों में तीर्थयात्रा और पर्यटन के बीच की सीमा धुंधली होती जा रही है। दर्शन और आध्यात्मिक अनुभूति के साथ मनोरंजन, मौज-मस्ती और उपभोक्तावादी जीवनशैली का प्रवेश पहाड़ों की संवेदनशीलता पर भारी पड़ रहा है। हिमालय की सबसे बड़ी विशेषता ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। यहां का पर्यावरण अत्यंत नाजुक है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मिट्टी की परत पतली है, वनस्पतियों की पुनरुत्पादन क्षमता सीमित है और कचरे के प्राकृतिक रूप से नष्ट होने की प्रक्रिया मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत धीमी है। इसके बावजूद हम हजारों-लाखों लोगों को एक साथ इन क्षेत्रों में पहुंचा रहे हैं। वाहनों की लंबी कतारें, पार्किंग का दबाव, होटल और ढाबों का अनियोजित विस्तार, प्लास्टिक की बोतलें, खाद्य पदार्थों के रैपर, पॉलीथिन और डिस्पोजेबल सामग्री पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण को लगातार चोट पहुंचा रहे हैं।

चारधाम यात्रा के दौरान इस वर्ष सितंबर के मध्य तक 800 टन से अधिक कचरा एकत्र होने की सूचना इस संकट की गंभीरता को सामने रखती है। केदारनाथ जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में अप्रैल से अगस्त के बीच 50.30 टन कचरा जमा होना विशेष चिंता का विषय है। यह तथ्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फेंकी गई एक प्लास्टिक बोतल केवल एक बोतल नहीं रहती, वह लंबे समय तक पर्यावरण में मौजूद रहकर मिट्टी, जलस्रोतों और वन्यजीवन के लिए खतरा बन सकती है। विडंबना



देखिए-जिस स्थान पर मनुष्य आत्मशुद्धि, संयम और त्याग की भावना लेकर जाता है, वहीं वह अपने पीछे कचरे का निशान छोड़ आता है। क्या ऐसी यात्रा को वास्तव में तीर्थयात्रा कहा जा सकता है? तीर्थ का अर्थ केवल किसी मंदिर तक पहुंच जाना नहीं है। तीर्थ मनुष्य के भीतर परिवर्तन की यात्रा है। यदि मंदिर में माथा टेकने के बाद हम उसी पर्वत की गोद में प्लास्टिक फेंक दें, जिसकी पवित्रता के नाम पर वहां पहुंचे हैं, तो हमारी आस्था अधूरी रह जाती है।

इस संदर्भ में ह्यकैरी मी बैकह्ल अभियान उम्मीद की एक महत्वपूर्ण किरण है। लगभग पांच हजार तीर्थयात्रियों द्वारा करीब 18 किलोमीटर के रास्ते से 12 टन से अधिक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे लाना बताता है कि श्रद्धालुओं को सहभागी बनाया जाए तो वे पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह केवल कचरा उठाने का अभियान नहीं, बल्कि तीर्थयात्रा की मानसिकता बदलने का प्रयास है। ऐसे अभियानों को व्यापक स्वरूप देकर हिमाचल, उत्तराखंड और अन्य हिमालयी तीर्थ क्षेत्रों में लागू किया जाना चाहिए। अमरनाथ यात्रा से मिला अनुभव भी सकारात्मक दिशा दिखाता है। पुनः उपयोग किए जाने वाले बर्तनों और पानी भरने की सुविधाओं के विस्तार के कारण यात्रियों की संख्या में 17 प्रतिशत वृद्धि के बावजूद प्रति यात्री कचरे में 15 प्रतिशत कमी आना इस बात का प्रमाण है कि सुविधाजनक और वैज्ञानिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए तो पर्यावरणीय दबाव कम किया जा सकता है। इसलिए केवल श्रद्धालुओं से अपील करना पर्याप्त नहीं है, प्रशासन को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार सबसे सहज विकल्प बने।

हिमाचल प्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर भीड़ का अनियंत्रित बढ़ना इसी व्यापक संकट का हिस्सा है। शिमला, मनाली, धर्मशाला, चामुंडा, ज्वालाजी, चिंतपूर्णी, नैना देवी और अन्य धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर मौसम विशेष में बढ़ने वाला दबाव यातायात, जलापूर्ति, सीवेज, ठोस कचरा और स्थानीय संसाधनों पर असर डालता है। पहाड़ों की वहन क्षमता मैदानी शहरों जैसी नहीं है। इसलिए किसी भी तीर्थ या पर्यटन स्थल की लोकप्रियता को केवल अधिकाधिक लोगों को वहां पहुंचाने की सफलता के रूप में नहीं देखा जा सकता। अब समय आ गया है कि ह्यजितने अधिक पर्यटक, उतना अधिक विकासह्ल की सोच को ह्यजितना संवेदनशील पर्यावरण, उतना जिम्मेदार पर्यटनह्ल में बदला जाए। तीर्थस्थलों की वहन क्षमता का वैज्ञानिक अध्ययन हो और उसके आधार पर प्रतिदिन या मौसम के अनुसार आगंतुकों की संख्या निर्धारित की जाए। सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रभावी नियंत्रण हो, पानी के रिफिल स्टेशन बढ़ाए जाएं, बोतलों और पैकेजिंग के लिए डिपॉजिट-रिटर्न व्यवस्था लागू की जाए तथा कचरे को स्रोत पर ही अलग करने की व्यवस्था हो। दुकानदारों, होटल संचालकों और वेंडरों को उनके द्वारा उत्पन्न कचरे के प्रति जवाबदेह बनाया जाना चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण है तीर्थयात्री की मानसिकता में परिवर्तन। पहाड़ हमारे मनोरंजन के मैदान नहीं हैं। वे हमारी आने वाली पीढ़ियों की प्राकृतिक विरासत हैं। जिस नदी के किनारे हम पूजा करते हैं, वही नदी नीचे बसे करोड़ों लोगों का जीवन है। जिस जंगल को हम कैमरे में कैद करते हैं, वही जंगल पहाड़ी पारिस्थितिकी को संतुलित करता है। जिस पर्वत को हम देवभूमि कहकर नमन करते हैं, उसकी ढलानों पर प्लास्टिक फेंकना हमारी अपनी श्रद्धा का अपमान है। नेपाल और हिमालयी क्षेत्र में समय-समय पर अत्यधिक वर्षा, बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने यह चेतावनी दी है कि पर्वतीय पारिस्थितिकी के साथ छेड़छाड़ के परिणाम गंभीर हो सकते हैं। हर आपदा को सीधे पर्यटन या प्रदूषण का परिणाम मानना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होगा, लेकिन इतना निश्चित है कि अनियोजित निर्माण, अत्यधिक मानवीय दबाव, वन क्षरण और कचरा प्रबंधन की कमजोरी पर्वतीय क्षेत्रों की संवेदनशीलता को बढ़ा सकती है।

अमरोहा
सोमवार 12 अक्टूबर 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

संगठन की एकता और सामाजिक उत्थान के लिए मिलकर कार्य करें: जयवीर सिंह

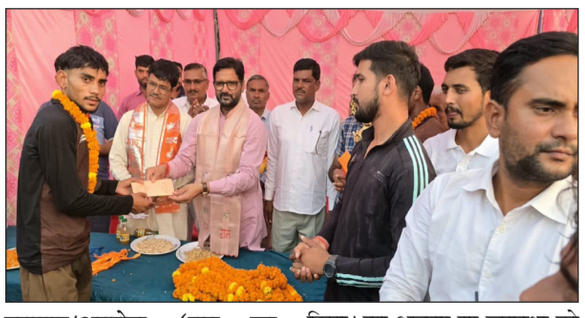
अखिल भारतीय अंबेडकर संघ शाखा हसनपुर की बैठक में संगठन को मजबूत बनाने पर जोर



हसनपुर /अमरोहा (सब का सपना):- अखिल भारतीय अंबेडकर संघ शाखा हसनपुर की एक महत्वपूर्ण बैठक संगठन महामंत्री विनोद कुमार गौतम के टीचर्स कॉलोनी, हसनपुर स्थित आवास पर शनिवार को आयोजित की गई। बैठक में संगठन की एकता, मजबूती तथा समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए संगठन के संरक्षक जयवीर सिंह ने कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसकी एकता और सामूहिक प्रयासों में निहित है। हम सभी को आपसी सहयोग और समर्पण की भावना के साथ संगठन को मजबूत बनाना चाहिए तथा समाज के हित में निरंतर कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर अखिल भारतीय अंबेडकर संघ हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि अखिल भारतीय अंबेडकर संघ समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ रहा है।उन्होंने बताया कि जल्द ही समाज के उत्थान एवं जनकल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकताओं को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही संगठन का विस्तार करने और अधिक से अधिक सक्रिय सदस्यों को जोड़ने के लिए घर-घर जाकर जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा, ताकि लोगों को संगठन के उद्देश्यों से जोड़कर सामाजिक एकता को और अधिक मजबूत किया जा सके।बैठक में उपस्थित सदस्यों ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया।

इस अवसर पर संगठन के महामंत्री विनोद कुमार गौतम,कोषाध्यक्ष करनवीर सिंह,थान सिंह, सोम सिंह, करतार सिंह, प्रकाश सिंह, जगवीर सिंह, पंकज कुमार आर्य, विजयकांत, मोहित कुमार, सत्यप्रकाश सिंह, नीरज कुमार निमल, बलवान सिंह, बिजेंद्र सिंह, महकार सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

औसा माफी में 1600 मीटर खुली दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन, लवकुश बने विजेता





हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम औसा माफी में 1600 मीटर खुली दौड़ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कई जिलों के दर्जनों युवा धावकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि धनौरा विधानसभा (39) के विधायक राजीव तरारा और विशिष्ट अतिथि कृष्ण कुमार शर्मा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक राजीव तरारा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'खेलो इंडिया' अभियान के तहत ग्रामीण प्रतिभाओं को तराशने के लिए लगातार खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। बड़ी संख्या में युवा इन मंचों का लाभ उठाकर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। कांटे की टक्कर वाली 1600 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए लवकुश ने प्रथम, जसपाल राणा ने द्वितीय तथा मनजीत कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथियों और आयोजकों द्वारा विजेताओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में आयोजक दीपक (प्रधान), सुखदेव शर्मा, देवेंद्र शर्मा, लाखन सिंह (प्रधान), विशाल कुमार, सुमित (प्रधान), रिंकू सिंह, चंद्रपाल सिंह, जगबीर सिंह, लोकेश सैनी, महेश कश्यप, नन्नू चौहान, गेंदाराम सैनी, राम सिंह सैनी, मोहित चौहान, नीरज शर्मा, मोहित सैनी, हाजी बुंदू, बालकिशन सैनी, अकरम सैफी, नरेंद्र सैनी और विपिन शर्मा सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

स्मार्ट क्लास और एआई उपकरणों के प्रशिक्षण से शिक्षक हुए तकनीकी रूप से दक्ष



अमरोहा (सब का सपना):- समग्र शिक्षा एवं पीएम श्री योजना के अंतर्गत चयनित उच्च प्राथमिक विद्यालयों, कंपोजिट विद्यालयों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की सुविधा वाले विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए शनिवार को डायट बुढ़नपुर अमरोहा में एक दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक डिजिटल तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरणों के प्रभावी उपयोग के लिए दक्ष बनाना रहा। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक पंकज कुमार ने शिक्षक-शिक्षिकाओं को इंटरएक्टिव फ्लैट पैनल के संचालन, ओपीएस एवं यूपीएस की महत्वपूर्ण जानकारी तथा सॉफ्टवेयर के संबंध में प्रशिक्षण दिया। वहीं बीएसए ऑफिस से ज्योति शेखर मौजूद रहे, शिक्षकों ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से कक्षा में तकनीक का बेहतर इस्तेमाल कर पढ़ाई को अधिक रोचक, प्रभावी और विद्यार्थियों के अनुकूल बनाया जा सकेगा।

सुभासपा ने मिशन 2027 की तैयारी की तेज किया जनचोपाल का आयोजन



अमरोहा (सब का सपना):- सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने मिशन 2027 की तैयारी तेज कर दी है। इसी कड़ी में रविवार को ब्लॉक गजरौला की ग्राम पंचायत शहबाजपुर ख्यालीपुर ढाल में एक विशाल जनचौपाल का आयोजन किया गया। जनचौपाल चंद्रप्रकाश सैनी के आवास पर सम्पन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण और कार्यकर्ता जुटे। जनचौपाल को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने पार्टी की विचारधारा और सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने जीवन भर गरीब, कमजोर, पिछड़े और वंचित समाज की लड़ाई लड़ी है। जब कोई सुनने वाला नहीं था, तब राजभर जी ने सदन से सड़क तक वंचितों की आवाज उठाई। आज हमारी पार्टी गरीबों को उनका हक, सम्मान और भागीदारी दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सुभासपा गरीबों की पार्टी है और गांव-गांव जाकर लोगों को पार्टी की नीतियों से जोड़ा जा रहा है। बैठक में संगठनात्मक नियुक्ति भी की गई। पार्टी के प्रति सक्रियता और समर्पण को देखते हुए चंद्रप्रकाश सैनी को हसनपुर तहसील का तहसील अध्यक्ष मनोनीत किया गया। जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने उन्हें माला पहनाकर नियुक्ति पत्र सौंपा और कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि चंद्रप्रकाश सैनी के नेतृत्व में हसनपुर तहसील में पार्टी और अधिक मजबूत होगी और बूथ स्तर तक संगठन खड़ा होगा। नई जिम्मेदारी मिलने पर सैनी जी ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया और तन-मन से पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला कोषाध्यक्ष आदेश अमरोही, प्रदेश महासचिव लोकेश चौधरी, राहुल वर्मा, रवि सैनी, प्रदीप कुमार, धर्मपाल सिंह, रमेश कुमार, राजपाल सिंह, संतराम सिंह, बलबीर सिंह, जितेंद्र कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

ठाकुर जी के मेले पर भव्य कुश्ती दंगल का आयोजन, विधायक ने फीता काटकर किया उद्घाटन



ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम तिघरिया नादिरशाह में ठाकुर जी के पावन मेले के अवसर पर आयोजित कुश्ती दंगल का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि हसनपुर विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने दंगल में आए पहलवानों, खिलाड़ियों व सम्मानित ग्रामवासियों का उत्साहवर्धन किया। विधायक ने कहा कि ग्रामीण अंचल की गौरवशाली खेल परंपराओं को संरक्षित करने, युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने तथा भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक समरसता को सशक्त बनाने वाले ऐसे आयोजनों की जितनी सराहना की जाए, उतनी कम है। उन्होंने कहा कि कुश्ती केवल एक खेल नहीं, बल्कि हमारी मिट्टी की पहचान, शौर्य, अनुशासन, परिश्रम और आत्मबल का प्रतीक है। ऐसे आयोजन ग्रामीण प्रतिभाओं को और अधिक सशक्त बनाने के साथ-साथ आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता को भी मजबूत करते हैं। इस शुभ अवसर पर आदमपुर मंडल अध्यक्ष राजीव गोयल, मंडल उपाध्यक्ष अजय पाल सिंह, मुकेश कुमार, दलीप सिंह, नेत्रपाल सिंह, प्यारेलाल सिंह, बृजेश कुमार, रघुवीर सिंह सहित अन्य सम्मानित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

ब्लू बड्र्स इंटरनेशनल स्कूल में ऐआई प्रदर्शनी एवं पीटीएम का आयोजन





अमरोहा (सब का सपना):- ब्लू बड्र्स इंटरनेशनल स्कूल, धनोरा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ऐआई) प्रदर्शनी एवं अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ धनौरा के नगरपालिका चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल जी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक राहुल अग्रवाल, निर्देशिका राखी अग्रवाल, प्रधानाचार्या शैल्ली गांधी, एडमिनिस्ट्रेटर संध्या गुप्ता, ऐआई और कंप्यूटर शिक्षक हिमांशु सैनी, दिवाकर शर्मा, अक्षय कुमार, निधि पटेल, सुगंध सोती और राधिका रस्तोगी सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। ऐआई प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, विज्ञान एवं आधुनिक तकनीक पर आधारित विभिन्न मॉडल और प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने अपने नवाचार, रचनात्मकता एवं तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करते हुए अतिथियों को अपने प्रोजेक्ट्स की कार्यप्रणाली और उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें नई तकनीकों के सकारात्मक उपयोग के लिए प्रेरित किया। इसी अवसर पर आयोजित पीटीएम में अभिभावकों ने शिक्षकों से मुलाकात कर अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, प्रदर्शन एवं अन्य गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। शिक्षकों ने अभिभावकों के साथ विद्यार्थियों की प्रगति पर चर्चा की तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय के महत्व पर जोर दिया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। ऐआई प्रदर्शनी जहाँ विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच एवं नवाचार को प्रोत्साहित करती है, वहीं पीटीएम विद्यालय और अभिभावकों के बीच संवाद को मजबूत बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की प्रधानाचार्या, एडमिनिस्ट्रेटर एवं समस्त शिक्षकगण का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सपा में आते ही किया जा रहा परेशान, नहीं करने दिए जा रहे विकास कार्य:- ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गवंशी



हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- भाजपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए गंगेश्वरी के ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गवंशी के बयान से क्षेत्र की राजनीति में हलचल मच गई है। उन्होंने खुलकर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए अपने ही भतीजे पर ब्लॉक के कामकाज में हस्तक्षेप करने और विकास कार्यों को जानबूझकर रोकने का गंभीर आरोप लगाया है। इस बयान के बाद से गंगेश्वरी ब्लॉक क्षेत्र में राजनीतिक चचाओं का दौर तेज हो गया है और गांव-गांव में इस मुद्दे को लेकर चर्चा हो रही है। ब्लॉक प्रमुख का कहना है कि सपा में शामिल होने के बाद से उन्हें लगातार राजनीतिक रूप से परेशान किया जा रहा है। उनका आरोप है कि उनकी मंजूरी के बिना ही खंड विकास अधिकारी द्वारा टेंडर और विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इससे वह क्षेत्र की वास्तविक आवश्यकता और प्राथमिकता के अनुसार काम नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्लॉक प्रमुख होने के नाते क्षेत्र के विकास की जिम्मेदारी उनकी है, लेकिन जब उन्हें ही निर्णय प्रक्रिया से दूर रखा जाएगा तो गांवों का विकास कैसे संभव होगा। ब्लॉक प्रमुख ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब ब्लॉक के पास करीब दो करोड़ रुपये का फंड उपलब्ध है, तो फिर गांवों की टूटी-फूटी सड़कों, गंदगी, नालियों और अन्य बुनियादी समस्याओं का समाधान क्यों नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि फंड होने के बावजूद काम नहीं होना सीधे-सीधे विकास में बाधा डालने का प्रमाण है। उन्होंने अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के सम्मान की मांग करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि का सम्मान होगा, तभी क्षेत्र का सही विकास होगा।राजेंद्र सिंह ने बताया कि उनके ब्लॉक क्षेत्र में कुल 87 ग्राम प्रधान आते हैं और सभी गांवों का विकास उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि देहरी गुर्जर गांव में करीब 18 लाख रुपये के विकास कार्य कराए गए, लेकिन उसका उद्घाटन किसी और ने किया, जो नियमों के विपरीत है। अंत में उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि यदि उन पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप साबित हो जाए तो वह राजनीति छोड़ देंगे।

मतदाता सूची से पात्र लोगों के नाम काटने की शिकायत, निष्पक्ष जांच की मांग

भाकियू ने राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, मताधिकार की बहाली और पारदर्शिता पर दिया जोर



बहजोई/संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन की ओर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान पात्र मतदाताओं के नाम काटे जाने की शिकायतों को लेकर शनिवार को राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से मतदाता सूची में नाम हटाने की प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराने, प्रभावित नागरिकों के मताधिकार की बहाली तथा निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि लोकतंत्र में प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान का अधिकार प्राप्त है। मतदाता सूची को शुद्ध करने के नाम पर किसी भी पात्र व्यक्ति को उसके संवैधानिक अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। यदि किसी मतदाता का नाम बिना उचित सूचना, सत्यापन, सुनवाई का अवसर दिए अथवा निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना हटाया गया है, तो इसकी निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। भारतीय किसान यूनियन ने कहा कि किसान, मजदूर, दलित, आदिवासी, पिछड़े और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों के मताधिकार की सुरक्षा विशेष रूप से सुनिश्चित की जानी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों और वंचित परिवारों को दस्तावेजों की कमी, तकनीकी समस्याओं या प्रशासनिक कठिनाइयों के कारण मतदान के अधिकार से वंचित नहीं होना चाहिए। ज्ञापन में मांग की गई कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए नामों और अपनाई गई प्रक्रिया की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। जिन पात्र मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं, उन्हें समयबद्ध तरीके से दोबारा सूची में शामिल किया जाए। इसके साथ ही राज्यवार, जिला-वार और विधानसभा क्षेत्रवार हटाए गए नामों का सत्यापित विवरण सार्वजनिक किया जाए, ताकि प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। भाकियू ने प्रभावित मतदाताओं को नाम हटाए जाने का कारण जानने, आपत्ति दर्ज कराने और अपील करने का सरल अवसर देने की भी मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि जहां जांच में लापरवाही या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि हो, वहां संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही मतदाता सूची में नाम जोड़ने, सुधार कराने और शिकायतों के निस्तारण के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए। ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति से इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित संवैधानिक संस्थाओं से रिपोर्ट प्राप्त करने और पात्र नागरिकों के मताधिकार की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया गया। भारतीय किसान यूनियन ने स्पष्ट किया कि ज्ञापन का उद्देश्य किसी राजनीतिक दल का समर्थन या विरोध करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक समानता, निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था और प्रत्येक पात्र नागरिक के मतदान के अधिकार की रक्षा करना है।

गजरौला में धूमधाम से मनाया गया रोटरी क्लब भरतियाग्राम का 40 वां स्थापना समारोह





गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- रोटरी क्लब 3100 की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पायल गौड़ ने कहा कि रोटरी क्लब का उद्देश्य सिर्फ समाजसेवा है। उन्होंने सामाजिक उत्थान को लक्ष्य मानकर रोटेरियन से इस पुनीत कार्य में सतत भागीदारी करते रहने का आह्वान किया। साथ ही रोटरी क्लब भरतियाग्राम की स्वास्थ्य सेवाओं खासकर ट्रामा सेंटर की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। बता दें कि शनिवार की रात गजरौला में हाईवे किनारे एक होटल में आयोजित रोटरी क्लब भरतियाग्राम के 40 वें स्थापना समारोह में मुख्य अतिथि रोटरी क्लब 3100 की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पायल गौड़ ने कहा कि रोटरी क्लब भरतियाग्राम की सेवाएं प्रशंसनीय हैं। क्लब पर्यावरण संरक्षण,स्वास्थ्य सेवा, वृद्धजनों की सेवा, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वरोजगार, गंगा स्वच्छता अभियान आदि से अपनी अलग ही पहचान बनाए हुए है। उन्होंने इसके लिए प्रत्येक रोटेरियन को साधुवाद दिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मनोरंजक प्रस्तुतियां भी दी गईं। रोटरी क्लब से जुड़ीं ममता गुप्ता, मधु सिंह, अर्चना यादव आदि ने नुक्कड़ नाटिका के माध्यम से रोटरी क्लब की 40 वर्ष की यात्रा का प्रदर्शन किया। बालिका कनिका ने मोबाइल के दुष्प्रभावों को बताते हुए फिल्मी गीतों पर डांस किया। सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र क्लब के पदाधिकारियों की वेशभुषा रही। देवेंद्र बंसल मिस्टर भरतियाग्राम एवं अंजु रानी दीक्षित मिसेज भरतियाग्राम चुनीं गईं। इस मौके पर क्लब के संरक्षक विनोद झा, रंजना झा, सीनियर रोटेरियन सागर शर्मा पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डीके शर्मा, सीनियर रोटेरियन शिव कुमार गोयल, प्रेसीडेंट अनुपम सिंह, सेक्रेटरी विशाल गौरव, सीनियर पास्ट प्रेसीडेंट सुनील दीक्षित, पास्ट प्रेसीडेंट देवेंद्र बंसल, जिला उपभोक्ता फोरम में मजिस्ट्रेट अंजु रानी दीक्षित, भुवन वशिष्ठ. डा. सुजिंदर फोगाट, प्रतीक माहेश्वरी, पुनीत गुप्ता, सुनील ए सिंह, नाग सिंह, बृजेश यादव आदि भी मौजूद रहे।

प्रत्येक ग्राम पंचायत में न्यूनतम 55 से 60 श्रमिकों को मिलेगा रोजगार

लापरवाही बरतने पर होगी कठोर दंडात्मक कार्रवाई

सम्भल (सब का सपना):- सरकार की ग्रामीण विकास प्राथमिकताओं और आयुक्त ग्राम्य विकास उत्तर प्रदेश द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के क्रम में 12 अक्टूबर को आयोजित होने वाले विशेष रोजगार सृजन दिवस की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। इसी कड़ी में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने विकासखंड पवांसा सम्भल रजपुरा तथा गुन्नौर के विकासखंड मुख्यालयों का औचक दौरा कर विकसित भारत जी राम जी (VB-G RAM G) योजना के तहत चल रहे विकास कार्यों एवं श्रमिकों के नियोजन की तैयारियों की सघन समीक्षा की। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में न्यूनतम 55 से 60 श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने की कार्ययोजना और रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा



कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निदेर्शों के अनुरूप राज्य की प्रत्येक ग्राम पंचायत में अधिकतम मानव दिवसों का सृजन करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शासन स्तर पर आयोजित समीक्षा बैठक में जनपद सम्भल सहित प्रदेश भर की रोजगार रणनीति पर व्यापक मंथन किया गया है जिसके तहत ग्रामीण इलाकों में रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। निदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से मुख्य विकास अधिकारी ने स्वयं ब्लॉक मुख्यालयों पर पहुंचकर जमीनी तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि योजना के अंतर्गत स्वीकृत एवं क्रियान्वयन योग्य सभी विकास कार्यों को तत्काल धरातल पर शुरू कराया जाए। साथ ही गांव में कार्य करने के इच्छुक एवं पात्र श्रमिकों का त्वरित नियोजन सुनिश्चित किया जाए ताकि अधिक से अधिक मानव दिवस सृजित कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सके।

मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम पंचायत अधिकारियों और संबंधित कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि विशेष रोजगार सृजन दिवस के अवसर पर निर्धारित लक्ष्य के अनुसार श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि लक्ष्य प्राप्ति में कमी पाई गई अथवा शासन के आदेशों की अवहेलना हुई, तो दोषी कार्मिकों के विरुद्ध तत्काल कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक के दौरान संबंधित खंड विकास अधिकारियों के साथ समस्त कार्यक्रम अधिकारी एवं तकनीकी सहायक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना से खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को मिलेगा बढ़ावा

सम्भल (सब का सपना):- जनपद में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने और स्थानीय उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (PMFME) का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन में चलाई जा रही इस योजना के माध्यम से स्थानीय स्तर पर नई खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने तथा पहले से संचालित इकाइयों के उन्नयन के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। जिला उद्यान अधिकारी सौरभ बंसल ने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य वोकल फॉर लोकल की अवधारणा को बढ़ावा देना और स्थानीय खाद्य उत्पादों को प्रोत्साहित करना है। इसके तहत एक जनपद-एक उत्पाद (ODOP) के आधार



पर मेंथा उद्योग, आटा मिल, तेल मिल, गन्ना कोल्हू, चावल मिल, मसाला निर्माण, अचार, दुग्ध उत्पाद, शहद, बेकरी, दाल मिल, मशरूम उत्पादन, आलू आधारित उत्पाद, पशु आहार तथा अन्य पात्र खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां लाभ प्राप्त कर सकती हैं। योजना के तहत नई इकाई की स्थापना अथवा मौजूदा इकाई के उन्नयन पर परियोजना की पात्र लागत का 35 प्रतिशत यानी अधिकतम 10 लाख रुपये तक का अनुदान प्रदान किया जाता है। लाभार्थी को परियोजना लागत का कम से कम 10 प्रतिशत हिस्सा स्वयं वहन करना होता है जबकि शेष राशि बैंक ऋण के माध्यम से जुटाई जा सकती है। इसके अतिरिक्त एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के नियमों के अनुसार पात्र परियोजनाओं को ब्याज में 6 प्रतिशत तक की छूट का लाभ भी मिल सकता है। जनपद सम्भल में इस योजना के अंतर्गत कुल 124 उद्यमियों को लाभान्वित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इच्छुक उद्यमी अधिक जानकारी और आवेदन के लिए कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी मझावली बीनस सुगर मिल्स के सामने चन्दौसी-बहजोई रोड पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा आधिकारिक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन भी किया जा सकता है जिसमें सहायता के लिए जनपद में जिला संसाधन व्यक्ति (DRP) भी तैनात किए गए हैं। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने स्थानीय उद्यमियों से इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और पात्र लाभार्थियों को नियमानुसार समयबद्ध तरीके से सहायता उपलब्ध कराई जाए।

यातायात पुलिस ने महिला का खोया बैग बरामद कर लौटाई खुशियां

थ्री व्हीलर में छूट गया था बैग, 1300 रुपये और कपड़ों सहित सामान पाकर महिला के चेहरे पर लौटी मुस्कान

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद में रविवार को चंदौसी के संभल तिराहे पर यातायात पुलिस ने ईमानदारी और तत्परता की मिसाल पेश करते हुए एक परेशान महिला का खोया हुआ बैग बरामद कर उसे वापस सौंप दिया। बैग में कपड़ों के साथ 1300 रुपये की नकदी भी रखी हुई थी। अपना खोया सामान वापस मिलने पर महिला के चेहरे पर खुशी लौट आई। उसने यातायात पुलिस की सराहना करते हुए सभी पुलिसकर्मियों का आभार व्यक्त किया। जानकारी के अनुसार, रविवार को एक महिला अपने बच्चों के साथ चंदौसी के संभल तिराहे पर पहुंची। महिला काफी परेशान थी। उसने वहां ड्यूटी पर मौजूद यातायात पुलिसकर्मियों को बताया कि वह



धनारी से चंदौसी आ रही थी। इसी दौरान उसका बैग थ्री व्हीलर में छूट गया। बैग में कपड़े और नकदी रखी हुई थी। महिला ने बताया कि वह बेहद गरीब है और बैग खो जाने से काफी परेशान है। महिला की परेशानी को समझते हुए मौके पर तैनात टीएसआई अशोक कुमार, हेड कांस्टेबल गौरव, कांस्टेबल लुकमान, गार्ड कृपाल सिंह और पीआरडी जवान ऋषिपाल सिंह ने तत्काल बैग की तलाश शुरू कर दी। पुलिसकर्मियों ने चंदौसी, बहजोई सहित अन्य स्थानों पर फोन के माध्यम से संपर्क कर बैग के संबंध में जानकारी जुटाई और सुरागरसी शुरू की। यातायात पुलिसकर्मियों के प्रयासों के बीच इस्लामनगर चौराहे पर तैनात होमगार्ड चरत गिरी को उक्त बैग मिल गया। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने बहजोई से बैग को चंदौसी मंगवाया और महिला को उसका सामान सुरक्षित सुपुर्द कर दिया। बैग में रखे कपड़े और 1300 रुपये की नकदी सहित पूरा सामान वापस पाकर महिला ने राहत की सांस ली। अपना सामान वापस मिलने पर महिला की परेशानी दूर हो गई और उसके चेहरे पर खुशी दिखाई देने लगी। महिला ने यातायात पुलिस के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए सभी संबंधित पुलिसकर्मियों का धन्यवाद किया। यातायात पुलिस की इस तत्परता और संवेदनशीलता ने एक बार फिर साबित किया कि जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए पुलिस हमेशा तत्पर रहती है।

वाल्मीकि समाज की जिला स्तरीय बैठक में शादी, मृत्यु भोज आदि मामलों में फिजूलखर्ची पर रोक लगाने का ऐलान, शिक्षा पर दिया जोर





नगीना (सब का सपना):- वाल्मीकि समाज सुधार समिति के बैनर तले नगीना-नहटौर मार्ग पर रेलवे फाटक के निकट स्थित वंदना बैंकट हॉल में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विवाह-शादी, छठी, मुंडन और अरष्टी (मृत्यु भोज) जैसे कार्यक्रमों में हो रही बेतहाशा फिजूलखर्ची पर अंकुश लगाने और बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सुभाष वाल्मीकि, पूर्व क्षेत्रीय मंत्री अनूप वाल्मीकि, दिल्ली से आए भाजपा नेता राजीव सूद और समिति के संस्थापक प्रबंधक प्रधान रामलाल वाल्मीकि ने आदि कवि महर्षि वाल्मीकि एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। बैठक की अध्यक्षता चंद्रपाल ने की, जबकि संचालन के.के. रंजन ने किया।मुख्य अतिथि सुभाष वाल्मीकि ने कहा कि आज शादियों और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में हो रही फिजूलखर्ची से गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों पर भारी बोझ पड़ रहा है। इस पर सामाजिक स्तर पर एकमत होकर निर्णय लेना होगा, ताकि आने वाला कल किसी के लिए भारी न पड़े। पूर्व क्षेत्रीय मंत्री अनूप वाल्मीकि ने कहा कि महंगाई आसमान छू रही है और बेरोजगारी की मार भी है। ऐसे में फिजूलखर्ची पर रोक लगाकर पैसा बच्चों की शिक्षा-दीक्षा पर खर्च करना चाहिए।kराष्ट्रीय क्रांतिकारी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री मनोज वाल्मीकि ने कहा कि 20 वर्ष पूर्व नगीना में हुई बैठक में समाज सुधार के लिए 15 बिंदुओं पर मोहर लगी थी, जिन पर अमल भी हुआ, लेकिन एक-दो जगह विरोध के कारण नियम टूट गए। उन्होंने कहा कि सोने-चांदी के बढ़ते भाव और बेरोजगारी के बीच फिजूलखर्ची समाज को बबार्दी की ओर ले जा रही है। यदि यही चलता रहा तो आने वाली पीढ़ी अपने बच्चों के विवाह, छठी, मुंडन तक नहीं कर पाएगी। इसलिए नियम-कानून बनाकर सख्ती से पालन कराना होगा। राजीव सूद ने भी फिजूलखर्ची पर अंकुश और शिक्षा पर जोर दिया। राजेंद्र सोढ़ी, रामपाल सिंघा, श्याम सिंह, राजेश, मा. रनवीर सिंह वाल्मीकि, प्रीतम संतोषी, सर्वेश वाल्मीकि, आशीष पवार, रोषतिक कुमार एडवोकेट सहित अन्य वक्ताओं ने भी यही बात दोहराई। इस अवसर पर संस्थापक प्रबंधक प्रधान रामलाल वाल्मीकि ने लक्ष्मण सिंह को अध्यक्ष बनाते हुए 11 सदस्यीय कमेटी के पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। उन्होंने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए समाज से तय बिंदुओं पर अमल करने की अपील की। कार्यक्रम में जूली वाल्मीकि, रमेश कुमार बिजनौर, पिंटू कुमार, जगपाल सिंह धामपुर, अमर कुमार, साहिल पवार, मनोज कुमार अफजलगढ़, धर्मपाल सिंह भवाली, प्रवेश कुमार बाघपुर, नवीन कुमार, प्रियांशु धामपुर, अनिल वेद, राजकुमार चावला, विशाल पारछा, राजप्रींस कुमार, अनिल कालाखेड़ी, मदन लाल, संजय बागड़ी नजीबाबाद, विकास कुमार नांगली आदि सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

मुफ्ती अजमल शाह कादरी का 65वां उर्स अकीदत के साथ मनाया

कुल शरीफ में उमड़े हजारों अकीदतमंद, उलमा ने गिनाई मुफ्ती साहब की इल्मी और दीनी खिदमत





सम्भल(सब का सपना):- रविवार को मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम के संस्थापक हजरत मुफ्ती अजमल शाह कादरी का 65वां उर्स पूरी शानो-शौकत और अकीदत के साथ संभल में मनाया गया। इस मौके पर कुल शरीफ की तकरीब में हजारों अकीदतमंदों ने शिरकत की। कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से आए उलमा और लोगों ने हजरत की इल्मी और दीनी खिदमत को याद किया। कार्यक्रम का आगाज कारी सरताज ने कुरआन पाक की तिलावत से किया। इसके बाद अयाज अजमली ने हम्द, उसामा अजमली ने नात-ए-पाक और सैफुल्लाह सुल्तानी व असद अशरफी ने मनकबत पेश की। मुफ्ती आलम नूरी ने अपने खिताब में कहा कि मुफ्ती अजमल शाह कादरी अपने दौर के बड़े आलिम और मुफ्ती थे। वह सदरुल अफाजिल हजरत सैयद नईमुद्दीन मुरादाबादी के शागिर्द थे और अपने उस्ताद से गहरा लगाव रखते थे। उन्होंने बताया कि मुफ्ती अजमल शाह ने अरबी भाषा में मुनाजरे के दौरान भी अपनी इल्मी काबिलियत का लोहा मनवाया था। इस दौरान मरकजी कमेटी की ओर से हज के दौरान हाजियों की खिदमत करने वाले तकी अशरफ एडवोकेट, अब्दुल खालिक, कारी वसी अशरफ, मुहम्मद नदीम और मुहम्मद अहमद रजा को सम्मानित किया गया। शहर मुफ्ती कारी अलाउद्दीन अजमली की लिखी किताब खुत्बाते अजमली का विमोचन भी किया गया। बनारस से आए मुख्य वक्ता मुफ्ती आसिफ मिस्बाही ने कहा कि मुफ्ती अजमल शाह कादरी की इल्मी खिदमात का दायरा देश ही नहीं, विदेशों तक फैला हुआ है। मॉरीशस में भी लोग धार्मिक मसलों के समाधान के लिए उनकी किताब फतावा अजमलिया से मार्गदर्शन लेते हैं। उन्होंने कहा कि निजाम हैदराबाद की ओर से आकर्षक वेतन और चारमीनार पर सौ दुकानें देने का प्रस्ताव मिलने के बावजूद मुफ्ती अजमल शाह ने सम्भल नहीं छोड़ा। उन्होंने अपने क्षेत्र के लोगों की खिदमत और इल्म को बढ़ावा देने को प्राथमिकता दी। सलातो-सलाम के बाद कारी तनजीम अशरफ अजमली ने मुल्क और कौम की सलामती के लिए दुआ कराई। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में तकी अशरफ एडवोकेट, गुलवेज कमर, नजी अशरफ और अली अशरफ ने सहयोग किया। मोहल्ला खग्गू सराय के सरफराज अजमली, सुब्हान अजमली सहित अन्य लोगों की ओर से लंगर की व्यवस्था की गई। कादरी नौशाही टीम और सरताज साहब की ओर से चादर पेश की गई।

कार्यक्रम में सम्भल सांसद जियाउर्रहमान बर्क, चेयरपर्सन प्रतिनिधि चौधरी मुबश्शिर, सैयद यजदानी मियां, सैयद शामी मियां, सैयद आमिर मियां, सैयद रिजवानी मियां, सैयद फैसल मियां, मुफ्ती महबूब वास्ती, मुफ्ती नूर आलम, इमाम-ए-ईदगाह मौलाना जहीरुल इस्लाम समेत बड़ी संख्या में उलमा, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग मौजूद रहे। मुरादाबाद मंडल के अलावा राजस्थान, बिहार और बंगाल से भी अकीदतमंद पहुंचे। अंत में मदरसा कमेटी के हाजी जफीर अहमद, सैयद अब्दुल कादिर, फरीद एडवोकेट, हाजी यामीन और मुहम्मद हाशिम ने सभी मेहमानों का शुक्रिया अदा किया।

कुंडल झपटमारी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने पीली व सफेद धातु के कुंडल, 1400 रुपये, चार मोबाइल और दो मोटरसाइकिल बरामद

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना हजरतनगर गढ़ी पुलिस ने कुंडल झपटमारी की घटना का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पीली धातु का एक कुंडल, 1400 रुपये नकद, एक जोड़ी पीली धातु के कुंडल, एक जोड़ी सफेद धातु के कुंडल, पीली धातु का एक अन्य कुंडल, चार मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं।

पुलिस के अनुसार, 2 अक्टूबर को थाना हजरतनगर गढ़ी में ग्राम हजरतनगर गढ़ी निवासी विरमावती पत्नी हरि सिंह ने तहरीर देकर शिकायत की थी कि दो अज्ञात वाहन



सवारों ने उनके कानों के कुंडल झपट्टा मारकर छीन लिए और मौके से फरार हो गए। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी थी। शनिवार को पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त, शांति व्यवस्था बनाए रखने और संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने ग्राम हजरतनगर गढ़ी में नहर की पुलिया के पास से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अभिषेक पाठक पुत्र पवन पाठक, उम्र करीब 18 वर्ष, ऋषभपाल पुत्र राकेश कुमार पाल, उम्र करीब 19 वर्ष और नकुल पुत्र रामकिशन, उम्र करीब 18 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने एक बाल अपचारी को भी अपनी अभिरक्षा में लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बरामदगी के दौरान एक कुंडल पीली धातु, 1400 रुपये नकद, एक जोड़ी कुंडल पीली धातु, एक जोड़ी कुंडल सफेद धातु, एक अन्य कुंडल पीली धातु और चार मोबाइल फोन बरामद किए। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त बताई गई बिना नंबर प्लेट की हीरो सुपर स्प्लेंडर और बजाज पल्सर मोटरसाइकिल भी बरामद की गई हैं। थाना हजरतनगर गढ़ी पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस बरामद सामान के संबंध में भी जांच कर रही है।

सपा कार्यालय पर मनाई गई जयप्रकाश नारायण और महाराजा अग्रसेन की जयंती

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिला संभल समाजवादी पार्टी की ओर से रविवार को बहजोई स्थित डीएम कार्यालय के निकट पार्टी के कैंप कार्यालय पर लोकनायक जयप्रकाश नारायण और महाराजा अग्रसेन की जयंती मनाई गई। इस दौरान जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी, जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार सहित पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए और उन्हें नमन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने अपने पूरे जीवन में लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए संघर्ष किया। उनके संपूर्ण क्रांति के नारे ने देश के युवाओं को नई दिशा दी। आपातकाल के दौरान उन्होंने लोकतंत्र की रक्षा के



लिए ऐतिहासिक आंदोलन का नेतृत्व किया। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने महाराजा अग्रसेन को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने सत्य, अहिंसा, समानता और आपसी सहयोग के सिद्धांतों पर आधारित आदर्श राज्य की स्थापना की थी। उनका एक ईंट और एक रुपये का सिद्धांत सामाजिक सहयोग, समानता और आत्मनिर्भरता की अनूठी मिसाल है। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने तानाशाही के खिलाफ आवाज बुलंद की। वह सत्ता के लिए नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति के अधिकार और सम्मान के लिए संघर्ष करते रहे। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन केवल कुशल शासक ही नहीं, बल्कि समाजवाद के प्रमुख प्रणेता भी थे। उन्होंने अपने राज्य में सभी को समान अधिकार देने और आपसी सहयोग की भावना को बढ़ावा दिया। कार्यक्रम में डॉ. राहिल ताहिर उल्ला खान, उमेश यादव, बलवंत सिंह, मलखान सिंह एडवोकेट, ममता मधुकर, उमेश दिवाकर और फखरे आलम सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया। इस अवसर पर शोभित कुमार काका, कमल शर्मा, सद्दाम कुरैशी, निसार अहमद, आसिफ इकबाल, अशोक राणा, अशोक गुप्ता, आमिर खान, मोहसिन खान, तनवीर भाई, तस्लीम भाई, डॉ. हंसराज, विपिन शर्मा, हाजी तसदुक, डॉ. होराम सिंह, चरत सिंह, तेजपाल सिंह, राकेश यादव, मुकेश यादव, चेतन गुप्ता, नजाकत, एसपी बिलाल और राहुल जाटव सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

2027 में पीडीए की सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ काम करेंगे कार्यकर्ता :- फिरोज खान

सम्भल(सब का सपना):- रविवार को समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फिरोज खां के कार्यालय पर लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती मनाई गई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके जीवन, संघर्ष और विचारों को याद किया। कार्यक्रम में लोकतंत्र की रक्षा, सामाजिक परिवर्तन और जनहित के मुद्दों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर फिरोज खां ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने लोकतंत्र की रक्षा और सामाजिक बदलाव के लिए



महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका जीवन संघर्ष, त्याग और जनसेवा की प्रेरणा देता है। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं और समाज को समानता, न्याय तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करते हैं। फिरोज खां ने आगामी विधानसभा चुनाव 2027 का जिक्र करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। उन्होंने पीडीए की सरकार बनाने और अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लक्ष्य के साथ कार्यकताओं से सक्रियता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता जनहित के मुद्दों को लेकर जनता के बीच रहें और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए काम करें। कार्यक्रम में जबर सिंह, अमरपाल यादव, गौरव, गुलाम मुस्तुफा, आरिफ खां, मोनिस कुरैशी, छुन्नान, नासिर हुसैन, नफीस मलिक, रामरहिस यादव, सलीम अंसारी, फैजान शाही, अजमत और जाहिद खां सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

तूफानी बारिश और तेज हवाओं ने फिर बढ़ाई किसानों की मुश्किलें, दो दिन की राहत के बाद दोबारा बरसी आफत





नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र में मौसम की बेरुखी थमने का नाम नहीं ले रही है। दो दिन पहले हुई भारी तबाही के जख्म अभी हरे ही थे कि एक बार फिर आई तूफानी बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की कमर तोड़ दी है। अचानक बदले मौसम और तेज बौछारों से खेतों में खड़ी फसलें एक बार फिर बिछ गई हैं, जिससे अन्नदाताओं के माथे पर चिंता की लकीरें गहरी हो गई हैं। लगातार हो रही इस बरसात से किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है, जिससे किसान खुद को पूरी तरह बेहाल महसूस कर रहे हैं।पीड़ित किसानों ने सरकार और स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द खेतों में हुए नुकसान का सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिया जाए।

शारदीय नवरात्र के शुभारंभ पर मंदिरों में गूंजे 'जय माता दी' के जयकारे, उमड़ी भक्तों की भीड़



नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- रविवार को शारदीय नवरात्र पर्व का पूरे हर्षोल्लास के साथ शुभारंभ हो गया है। पर्व के पहले दिन घट स्थापना के साथ ही नगर और आसपास के देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लग गया। ब्रह्म मुहूर्त यानी सुबह 4 बजे से ही मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारेंनी शुरू हो गईं, जिससे पूरा वतावरण भक्तिमय हो उठा। नगर के प्राचीन सिद्धपीठ माता काली शनिदेव मंदिर (मालन नदी तट), संतोषी माता मंदिर और पुरानी मंडी स्थित दुर्गा मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। भक्तों ने मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप की पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश में सुख, शांति तथा समृद्धि की कामना की। मंदिर समितियों की ओर से श्रद्धालुओं की सुगमता के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। पुजारियों के अनुसार, सुबह से लेकर देर शाम तक दर्शन और पूजन का सिलसिला अनवरत जारी रहा, जिससे पूरा नजीबाबाद भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया।

मानको के विपरीत लाउडस्पीकर बजाने पर मुअज्जिन गिरफ्तार, सिपाही भी सस्पेंड



बिजनौर/नजीबाबाद (सब का सपना):- मानकों से अधिक तेज आवाज में लाउडस्पीकर बजाने पर बिजनौर पुलिस ने नजीबुद्दौला मस्जिद के मुअज्जिन (23 वर्षीय मोहम्मद फैजान) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने मौके से लाउडस्पीकर, एम्पलीफायर और माइक जब्त कर लिए हैं। वहीं लाउडस्पीकर रिपोर्ट में गड़बड़ी और गलत जानकारी देने के आरोप में एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने नजीबाबाद थाने के सिपाही ललित कुमार को निलंबित कर दिया है।
गौरतलब है
कि ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण अभियान के तहत बिजनौर पुलिस ने अकेले सितंबर महीने में जिले के मंदिरों, मस्जिदों और गुरुद्वारों से कुल 2,509 लाउडस्पीकर उतरवाए हैं। पुलिस प्रशासन ने सख्त हिदायत दी है कि शासन व अदालत के निदेशों का उल्लंघन करने वालों पर आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

विद्या भारती द्वारा आयोजित दो दिवसीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का सरस्वती विद्या मंदिर में किया गया आयोजन



नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- विद्या भारती द्वारा आयोजित विभागीय एथलेटिक्स दो दिवसीय प्रतियोगिता का उद्घाटन बलराम कुंवर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज नहटौर में शिव कुमार शर्मा, क्षेत्रीय शिशु वाटिका संयोजक विद्या भारती एवं प्रबंधक सिद्धार्थ कुमार अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता के संयोजक महेश सिंह, प्रधानाचार्य नगीना, विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार शर्मा, नूरपुर के प्रधानाचार्य पूरन सिंह, चांदपुर के प्रधानाचार्य नवनीत सिंह, धामपुर के प्रधानाचार्य हेमेंद्र सिंह, हल्दौर के प्रधानाचार्य बृजपाल सिंह, नजीबाबाद के प्रधानाचार्य जितेंद्र सिंह, फिना के प्रधानाचार्य कामेश्वर प्रसाद, पूर्व प्रधानाचार्य वीर सिंह आदि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में चांदपुर, किरतपुर, फीना, नूरपुर, नगीना, हल्दौर, अफजलगढ़, धामपुर, नजीबाबाद, बलराम कुंवर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज नहटौर सहित कुल 11 विद्यालयों की 90 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विद्यालय में आयोजित 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 600 मीटर लंबी दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, बाधा दौड़, क्रॉस कंट्री दौड़, पोल वॉल्ट, चक्का फेंक, गोला फेंक आदि प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रतियोगिता को आकर्षक बनाया।अंडर-14 में 400 मीटर दौड़ में गुंजन, 200 मीटर दौड़ में गीतिका, 400 मीटर दौड़ में अंशिका पाल, 600 मीटर दौड़ में खुशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं अंडर-17 गोला फेंक में अनुष्का यादव, लंबी कूद में दिव्यांशी तथा अंडर-19 गोला फेंक में प्रेरणा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाली सभी छात्राओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार शर्मा ने सभी छात्राओं को इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में होने वाली सभी प्रतियोगिताओं में छात्राओं को प्रतिभाग करना चाहिए, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके। कार्यक्रम का संचालन आचार्य टीकम सिंह ने किया। इस अवसर पर विनेश पाल सिंह, शैलेन्द्र कुमार, रंजना शर्मा, नीतू रानी, संगीता, ज्योति प्रभा, रूपम, कविता, नीलम, सुमन, अल्का, विनीता, प्रीति, प्रवेंद्र कुमार, कपिल कुमार, अशोक कुमार, नीतू सिंह, दीक्षित कुमार, नरेश कुमार आदि का सहयोग रहा।

तेज आंधी से उड़े टीन-टप्पर, दिन में छाया अंधेरा

बारिश से किसानों की बढ़ी चिंता, खेतों में खड़ी धान की तैयार फसल धराशायी





नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- रविवार शाम अचानक मौसम ने करवट ली। तेज हवाओं के साथ उठी धूल भरी आंधी से आसमान में धूल का गुबार छा गया और दिन में ही अंधेरा नजर आने लगा। इसके बाद शुरू हुई बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। तेज हवाओं और बारिश के कारण खेतों में खड़ी धान की तैयार फसल गिर गई, वहीं पानी से लबालब खेतों में गन्ने की फसल भी धराशायी होने से किसानों को भारी नुकसान की आशंका है। रविवार शाम करीब चार बजे आसमान में काले बादल छा गए और तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। अचानक बदले मौसम से जहां आम जनजीवन प्रभावित हुआ, वहीं किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिरता नजर आया। खेतों में तैयार खड़ी धान की फसल तेज हवा के कारण जमीन पर बिछ गई। विशेषकर शरबती धान की फसल गिरने से उसके खराब होने की आशंका बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि यदि बारिश और तेज हवाओं का सिलसिला जारी रहा तो फसल को और अधिक नुकसान हो सकता है। वहीं, जिन खेतों में पहले से पानी भरा हुआ है, वहां गन्ने की फसल भी गिर गई है। धान और गन्ने की फसल को नुकसान पहुंचने से किसान आर्थिक संकट को लेकर चिंतित हैं। किसानों का कहना है कि उन्होंने बच्चों की तरह फसलों को पाल-पोसकर तैयार किया था, लेकिन मौसम की मार ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। लगातार हो रही बारिश के कारण पशुओं के चारे की समस्या भी उत्पन्न होने लगी है। खेतों में पानी भरने और मौसम खराब रहने से किसान पशुओं के लिए हरा चारा लाने में परेशानी महसूस कर रहे हैं। इससे पशुपालन करने वाले किसानों की मुश्किलें भी बढ़ गई हैं। किसानों का कहना है कि बारिश के कारण पशुओं के दूध उत्पादन पर भी असर पड़ रहा है। तेज हवाओं के कारण सड़कों पर चल रहे राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। धूल उड़ने से लोगों की आंखों में धूल भर गई। बाजार में मौजूद लोगों ने आंखें बंद कर दुकानों में शरण ली। कई स्थानों पर दुकानों के सामने लगे टीन-शेड, तिरपाल और टप्पर तेज हवा के झोंकों से उड़ गए। मानसून की विदाई के बाद लगातार हो रही बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। अब किसानों को अपनी तैयार फसल को और अधिक नुकसान से बचाने की चिंता सता रही है।

अमौली कस्बा में धूमधाम से निकली मां भगवती की भव्य शोभायात्रा

जनप्रतिनिधियों ने पूजा-अर्चना कर किया शुभारंभ, मुख्य मार्गों पर उमड़ा जनसैलाब



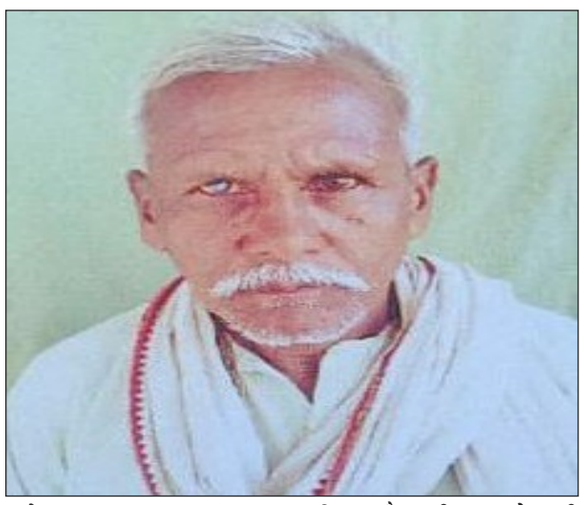


अमौली/फतेहपुर (सब का सपना):- शारदीय नवरात्रि महापर्व के पावन अवसर पर कस्बा अमौली में मां भगवती की भव्य शोभायात्रा बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। कस्बे के गायत्री मंदिर प्रांगण में माँ दुर्गा पूजा कमेटी, अमौली के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी लगातार 21वें वर्ष पूरी भव्यता के साथ मां भगवती का दिव्य दरबार सजाया गया। सुबह से ही मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जहानाबाद के विधायक राजेंद्र सिंह पटेल, बिंदकी विधायक जय कुमार सिंह जैकी एवं अमौली ब्लॉक प्रमुख सुशीला सिंह पहुंचे। सभी ने संयुक्त रूप से मां भगवती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया और श्रद्धालुओं को नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। पूजा-अर्चना के पश्चात मां भगवती की प्रतिमा को भव्य रथ पर सुशोभित कर शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा गायत्री मंदिर से प्रारंभ होकर कस्बे के मुख्य मार्गों, बाजार एवं प्रमुख गलियों से होते हुए गुजरी। इस दौरान जय माता दी के जयकारों से पूरा कस्बा गूंज उठा। शोभायात्रा में जनप्रतिनिधियों समेत सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। ब्लॉक प्रमुख सुशीला सिंह ने महिलाओं के साथ रथ की डोर थामकर यात्रा में उत्साह भर दिया।शोभायात्रा के मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। कई स्थानों पर समाजसेवियों द्वारा शरबत, फल, फूल एवं प्रसाद का वितरण किया गया। सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम रहे। अमौली चौकी पुलिस पूरे दिन शोभायात्रा के साथ मौजूद रही। इस अवसर पर शिक्षक उमेश त्रिवेदी, संचालक बृजेंद्र तिवारी, मुकेश, अवधेश तिवारी, रजत, दीपक, संतोष गुप्ता, देवेंद्र अवस्थी, राम भक्त वर्मा, शुभा, लालता, सतीश, बीडीसी चांदपुर सहित अनेक लोग मौजूद रहे। माँ दुर्गा पूजा कमेटी के पदाधिकारियों ने सभी जनप्रतिनिधियों, प्रशासन एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

ऑपरेशन के बाद महिला की मौत के मामले में आपराधिक शिकायत दर्ज, नगीना पुलिस कर रही जांच

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- कथित सर्जन द्वारा फर्जी नर्सिंग होम में किए गए यूट्रस (बच्चेदानी) के ऑपरेशन के बाद महिला की मौत के मामले में मृतका के भतीजे ने नगीना थाना कोतवाली में एसआर नर्सिंग होम के संचालक डॉक्टर शिवकुमार सैनी व कथित सर्जन डॉक्टर मोहित के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी ने शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने की बात कही है। नगीना थाना कोतवाली में दर्ज कराई गई शिकायत में नहटौर थाना क्षेत्र के ग्राम मंडौरा निवासी वैभव कुमार पुत्र विजयपाल सिंह ने आरोप लगाया है कि कुसुम देवी (42 वर्ष) पत्नी जयप्रकाश सिंह (शिकायतकर्ता की चाची) को 14 सितंबर को बच्चेदानी के ऑपरेशन के लिए नगीना में एसआर नर्सिंग होम में भर्ती कराया था। अस्पताल के संचालक शिवकुमार सैनी निवासी ग्राम खंडसाल, थाना नहटौर ने परिजनों को विश्वास दिलाया था कि ऑपरेशन के लिए एमबीबीएस डॉक्टर को बुलाया गया है। शिकायत के अनुसार नर्सिंग होम के संचालक शिवकुमार सैनी ने डॉक्टर मोहित पुत्र प्रेम सिंह निवासी ग्राम शेखपुरा, थाना कोतवाली शहर बिजनौर द्वारा कुसुम देवी की बच्चेदानी का ऑपरेशन कराया। ऑपरेशन के दौरान चिकित्सीय लापरवाही से मरीज की पेशाब नली / मूत्रमार्ग को क्षतिग्रस्त कर दिया गया, जिसके बाद मरीज की हालत गंभीर रूप से बिगड़ जाने के बावजूद समय पर उचित उपचार नहीं दिया गया और दोनों कथित डॉक्टरों द्वारा परिजनों को मरीज के जल्दी ठीक होने का विश्वास दिलाया गया। 18 सितंबर को मरीज की हालत और अधिक बिगड़ती देख परिजनों ने कुसुम देवी को मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। मेरठ मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान 1 अक्टूबर को कुसुम देवी की मृत्यु हो गई। अत्यंत दुखद स्थिति के कारण परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराए ही कुसुम देवी का अंतिम संस्कार कर दिया था।वैभव कुमार ने अपनी शिकायत में कहा है कि जिस डॉक्टर (डॉ. मोहित पुत्र प्रेम सिंह) को एमबीबीएस बताकर ऑपरेशन कराया गया है, उसकी वास्तविक योग्यता ओटी टेक्नीशियन है और वह ऑपरेशन करने के लिए वैधानिक रूप से अनुमन्य नहीं है। शिकायतकर्ता वैभव कुमार ने एसआर नर्सिंग होम के संचालक शिवकुमार सैनी व ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर मोहित के खिलाफ बीएनएस की धारा 106, 125, 318(4), 319(2), 204 तथा एनएमसी एक्ट 2019 की धारा 34 और अन्य सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि इस संबंध में वैभव कुमार की शिकायत प्राप्त हुई है। शिकायत की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी। शिकायत की जांच चितौड़गढ़ पुलिस चौकी प्रभारी एसआई अजीत कुमार कर रहे हैं।

फतेहपुर मे 24 घंटे में दूसरी हत्या, ट्यूबवेल पर सो रहे 65 साल के बुजुर्ग को चाकू से गोदकर उतारा मौत के घाट





फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि 24 घंटे के भीतर हत्या की दूसरी सनसनीखेज वारदात ने पूरे जिले को दहला दिया है। ताजा मामला असोथर थाना क्षेत्र के सातौंभीत गांव के गड़रियन पुरवा का है। गांव निवासी 65 वर्षीय सीताराम पाल शनिवार रात रोज की तरह घर से करीब डेढ़ सौ मीटर दूर अपने खेत में बने ट्यूबवेल पर सोने गए थे। वहां उन्होंने छोटा सा फार्म बना रखा था और कुछ मुर्गियां पाल रखी थीं। रविवार सुबह करीब 10 बजे तक जब वह घर वापस नहीं लौटे तो परिजन और ग्रामीण ट्यूबवेल की तरफ गए। वहां चारपाई पर उनका खून से लथपथ शव पड़ा मिला। शरीर पर धारदार हथियार से किए गए गहरे वार के निशान थे।
परिजनों ने कहा - हमारी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी
घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के घर की महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने कहा कि सीताराम पाल की किसी से कोई रंजिश नहीं थी। गांव में किसी से कोई जमीन का विवाद नहीं था, न ही किसी से लड़ाई थी। उन्हें चाकू जैसे धारदार हथियार से मारा गया है। परिजनों ने कहा कि जब हमारी जानकारी में किसी से दुश्मनी ही नहीं है तो हम किस पर शक करें। मृतक की पत्नी शिव दुलारी का निधन चार साल पहले हो चुका है। मृतक के पांच बेटे कृष्णपाल, हरीपाल, रुद्रपाल, रजोल और आकाश हैं, जबकि दो बेटियां आशा और निराशा अविवाहित हैं।
घटना की सूचना पर सीओ दुर्गेशदीप और असोथर पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक 65 वर्षीय बुजुर्ग जो घर से डेढ़ सौ मीटर दूर खेत पर बने फार्म पर रात में सोते थे, सुबह मृत अवस्था में मिले हैं। बॉडी पर चोट के निशान हैं। परिजनों द्वारा अभी तक किसी पर संदेह जाहिर नहीं किया गया है। अज्ञात के खिलाफ हत्या की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, मौत का सही कारण पोस्टमार्टम के बाद ही स्पष्ट होगा। घटना के खुलासे के लिए विशेष टीमों का गठन कर दिया गया है, जल्द ही घटना का अनावरण किया जाएगा।

रामलीला में अहिल्या उद्धार व गंगा दर्शन लीला का किया शानदार मंचन



गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर के रामलीला प्रांगण में आयोजित 73 वे रामलीला महोत्सव की रामलीला में अहिल्या उद्धार व गंगा दर्शन लीला का शानदार मंचन किया गया। लीला में बताया गया कि कलाकारों ने अपने अभिनय के माध्यम से रामायण के प्रसंगों को जीवंत किया। लीला के दौरान भगवान श्रीराम के जयकारों से रामलीला परिसर गूंज उठा। मंचन देखने पहुंचे लीला प्रेमियों ने जयकारे लगाकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। मंच पर पात्रों के संवाद और अभिनय ने दर्शकों को धार्मिक प्रसंगों से जोड़े रखा। अहिल्या उद्धार के प्रसंग ने भगवान श्रीराम की महिमा और उनकी करुणा का संदेश दिया। वहीं नगर दर्शन लीला के माध्यम से रामायण के प्रसंगों को मंच पर साकार किया गया। इस मौके पर रामलीला समिति के अध्यक्ष एडवोकेट हरित शर्मा , महामंत्री जय तेवतिया, कोषाध्यक्ष विशाल सिंघल, डॉ विनय खारी,रामकुमार कौशिक,कुलदीप सिंघल,संजीव तेवतिया, आकाश, दिनेश कौशिक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मंडियों में भीगे धान पर सियासत तेज! सुनील जाखड़ का पंजाब सरकार पर हमला, कहा- पैसे केंद्र ने भेजे पर प्रबंध फेल



चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने धान की खरीद के लिए पुख्ता प्रबंध न करने पर मान सरकार को घेरते हुए कहा कि मंडियों में पर्याप्त इंतजाम न होने के कारण किसानों का धान बारिश में भीग गया है। सुनील जाखड़ ने कहा कि धान की खरीद के लिए पैसा मोदी सरकार ने भेज दिया, लेकिन आम आदमी पार्टी की सरकार खरीद के इंतजाम तक नहीं कर सकी। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार के लूट के मॉडल के तहत किसानों से काट के नाम पर बड़ी लूट की जा रही है उन्होंने कहा कि किसान और आढ़ती धरने देने को मजबूर हो रहे हैं, लेकिन सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही और उसके किसी अधिकारी ने किसानों की सुध नहीं ली। इंटरनेट मीडिया पर साझा किया संदेश सुनील जाखड़ ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट साझा कर लिखा कि धान की सरकारी खरीद के लिए पूरी राशि तो भारत सरकार ने भेज दी, लेकिन मंडियों में प्रबंध तो पंजाब सरकार की और से की जानी थी। बीती रात से हुई बारिश ने मंडियों में किसानों की फसल ही नहीं भिगोई, बल्कि सपनों को भी डुबो दिया है। भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर वकीलों के पास जो भागदौड़ हो रही है, उससे फुर्सत मिले तो मंडियों में किसानों की सुध भी लेनी चाहिए।

एक और छात्र की मौत से चर्चा में एलपीयू, कुछ दिन पहले हॉस्टल छोड़ पीजी में रहने आया था युवक



फगवाड़ा: जालंधर के पास फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (LPU) के 21 वर्षीय छात्र द्वारा सुसाइड किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान अभिषेक पटेल, पुत्र सियाराम पटेल, निवासी गांव चंदापुर, जिला वाराणसी, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, छात्र एक निजी PG में मृत पाया गया। वह कुछ दिन पहले ही यूनिवर्सिटी का हॉस्टल छोड़कर PG में रहने आया था। बताया जा रहा है कि छात्र ने सुसाइड किया है। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। छात्र के हॉस्टल छोड़कर PG में शिफ्ट होने के कारणों को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। गौरतलब है कि पिछले महीने LPU में एक छात्रा से दुष्कर्म की अफवाह फैलने के बाद परिसर में हंगामा हुआ था। इस दौरान तोड़फोड़ और यूनिमॉल में लूटपाट की घटनाएं भी सामने आई थीं। मामले में पुलिस ने कई छात्रों और बाहरी लोगों को गिरफ्तार किया था। हालांकि, छात्र अभिषेक पटेल की मौत और पिछले महीने हुई घटनाओं के बीच किसी संबंध की फिलहाल कोई पुष्टि नहीं हुई है।

जालंधर में जन्मदिन पार्टी में चली गोलियां, महिला की मौत; बच्चा और फोटोग्राफर घायल

जालंधर: जिले के गांव ढड्डा में बच्चे की जन्मदिन पार्टी के दौरान गोलियां चलने का मामला सामने आया है। इस घटना में गोली लगने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक बच्चा और फोटोग्राफर घायल हो गए। घटना के बाद पार्टी में अफरा-तफरी मच गई। मृतका की पहचान 42 वर्षीय अमनदीप कौर निवासी होशियारपुर के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही थाना पतारा की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल में रखवा दिया। मौके पर पहुंचे थाना पतारा के एसएचओ नरिंदर सिंह ने बताया कि पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि पार्टी के दौरान गोली चलने की घटना किन परिस्थितियों में हुई।

सवारियों से भरी पीआरटीसी बस के साथ भयानक हादसा, कार से हुई जोरदार टक्कर



जगराओं : पंजाब में जगराओं के सिद्धवां बेट रोड पर गांव लीला के पास रविवार को बारिश के दौरान सेम नाले पर एक तेज रफ्तार कार और ढफ्ळउ की मिनी बस के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि मिनी बस बेकाबू होकर धान के खेतों में जा घुसी। हादसे के समय बस में करीब 30 यात्री सवार थे। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी की जान नहीं गई। बस में सवार दो यात्रियों को मामूली चोटें आईं, जबकि कार चालक और कार में सवार एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, सेम नाले पर बना पुल काफी संकरा है और बारिश के कारण सड़क पर फिसलन थी। इस जगह पर पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। लोगों ने प्रशासन से यहां सुरक्षा के उचित इंतजाम करने और पुल की चौड़ाई बढ़ाने की मांग की है।

मिशन शक्ति अभियान 6.0 के तहत महिलाओं को किया जागरूक, काउंसलिंग से दंपती में कराया समझौता

अगौता/बुलंदशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति अभियान फेज-6 के तहत थाना अगौता पुलिस द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान 6.0 का शुभारंभ थाना प्रभारी संजेश कुमार ने मिशन शक्ति टीम के साथ संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। थाना प्रभारी एवं मिशन शक्ति प्रभारी के पर्यवेक्षण में महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान, आत्मनिर्भरता, आत्मरक्षा तथा कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। पुलिस टीम स्कूलों, कॉलेजों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर गुड टच-बैड टच, साइबर सुरक्षा और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर जागरूकता



फैला रही है। वहीं,शनिवार को थाना अगौता के मिशन शक्ति केंद्र की टीम ने घरेलू विवाद के एक मामले में काउंसलिंग कराकर पति-पत्नी के बीच समझौता कराया। गांव शरीफपुर भैंसरौली निवासी दीपा पत्नी कुलदीप कुमार का अपने पति और अन्य ससुरालियों निवासी ग्राम खडखडी थाना खरखौदा जनपद मेरठ से घरेलू बातों को लेकर विवाद चल रहा था। दीपा ने इस संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलंदशहर से शिकायत की थी। एसएसपी के निर्देश पर मिशन शक्ति केंद्र की टीम ने दोनों पक्षों की काउंसलिंग की, जिसके बाद आपसी मतभेद दूर हो गए और दंपती साथ रहने के लिए राजी हो गया। समझौते के बाद दीपा अपने पति और ससुरालियों के साथ सकुशल चली गई। इस मौके पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक अनोखेलाल गंगवार, उपनिरीक्षक जसवीर सिंह, कांस्टेबल दीपक कुमार, महिला कांस्टेबल संध्या तोमर और वर्षा रघुवंशी की भूमिका रही। दो परिवारों मे समझौता कराने पर परिजनों ने पुलिस की पहल की सराहना की।

पुलिस अधीक्षक ने रात में थाना बाबूगढ़ व हाफिजपुर का किया औचक निरीक्षण



हापुड़ (सब का सपना):- जनपद हापुड़ के पुलिस अधीक्षक मधुवन कुमार सिंह ने शनिवार की रात को थाना बाबूगढ़ व हाफिजपुर पहुंच कर दोनों थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक ने थाना कार्यालय के अभिलेख, अपराध रजिस्टर आदि का अवलोकन कर कम्प्यूटर कक्ष, मिशन शक्ति केंद्र, साइबर हेल्प डेस्क, मालखाना, शस्त्रागार, बन्दीगृह, अभिलेखों के रख रखाव, साफ-सफाई आदि को चेक किया तथा सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शनिवार रात अचानक पुलिस अधीक्षक को थाना परिसर में देखकर पुलिस कर्मियों में हड़कंप सा मच गया। सभी पुलिस वालों ने पुलिस अधीक्षक का स्वागत किया।

समय पर इलाज मिलता तो बच जाती जान! खन्ना सिविल अस्पताल में गायनी डॉक्टर न मिलने से गर्भवती और बच्चे की मौत



खन्ना। लुधियाना जिले के खन्ना में सात महीने की गर्भवती महिला की मौत हो गई। उसके पेट में पल रहे बच्चे को भी नहीं बचाया जा सका। इस घटना के बाद सिविल अस्पताल की इमरजेंसी व्यवस्था और गर्भवती महिला को समय पर विशेषज्ञ डॉक्टर की सुविधा मिलने को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, जब महिला की हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल लाया गया, तो इमरजेंसी में उसे संभालने के लिए गायनी डॉक्टर उपलब्ध नहीं थीं। बताया जा रहा है कि जब तक गायनी डॉक्टर पहुंचीं, तब तक महिला को पटियाला के लिए रेफर किया जा चुका था। अगर, महिला को खन्ना में ही उचित इलाज मिल जाता तो शायद उसकी जान बच जाती।गर्भवति होने के चलते नहीं हुआ पोस्टमार्टम पटियाला पहुंचते इलाज में देरी हो गई। वहीं, महिला और उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम भी नहीं करवाया गया। जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के जिला गाजीपुर के गांव रामपुर जीवन की रहने वाली करीब 22 वर्षीय बेवी अपने परिवार के साथ खन्ना में मिलिट्री ग्राउंड के पास झुग्गियों में रहती थी।वह करीब सात महीने की गर्भवती थी। शनिवार रात को अचानक उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। परिवार के सदस्य उसे उपचार के लिए सिविल अस्पताल खन्ना लेकर पहुंचे। परिवार को उम्मीद थी कि अस्पताल में महिला को समय पर उपचार मिल जाएगा, लेकिन उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे पटियाला रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि पटियाला पहुंचते ही महिला की मौत हो गई। उसके गर्भ में पल रहे बच्चे को भी नहीं बचाया जा सका। इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सात महीने की गर्भवती महिला की तबीयत बिगड़ने पर उसे सिविल अस्पताल खन्ना लाया गया, तो उस समय इमरजेंसी में गायनी विशेषज्ञ डॉक्टर क्यों उपलब्ध नहीं थीं? जानकारी के मुताबिक, जब तक गायनी डॉक्टर पहुंचीं, तब तक महिला को पटियाला रेफर किया जा चुका था। ऐसे में यह जांच का विषय है कि महिला को अस्पताल में किस तरह का शुरूआती उपचार दिया गया और उसे किन परिस्थितियों में रेफर करने का फैसला लिया गया। खन्ना में उसका इलाज क्यों संभव नहीं था ? यह भी जांच का विषय बन गया है। अंतिम संस्कार के लिए भी नहीं थे पैसे बेवी का परिवार बेहद गरीब है। महिला की मौत के बाद परिवार के पास उसके अंतिम संस्कार तक के लिए पैसे नहीं थे। ऐसे मुश्किल समय में खन्ना की समाजसेवी संस्थाएं भाई कन्हैया सेवा सोसाइटी और नर सेवा नारायण सेवा मदद के लिए आगे आईं। समाजसेवियों ने रविवार सुबह खन्ना के श्मशानघाट में बेवी का अंतिम संस्कार करवाया। एक ओर परिवार ने अपने सदस्य को खो दिया, वहीं दूसरी ओर गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत ने इस दुख को और बढ़ा दिया। अब इस घटना में अस्पताल की इमरजेंसी व्यवस्था, गायनी विशेषज्ञ की उपलब्धता और मौत के कारणों की जांच को लेकर स्वास्थ्य विभाग की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर डॉ. चिराग ने कहा कि उनकी ड्यूटी में महिला को लाया गया था। ऑक्सीजन काफी कम थी।

'मांओं के आंसुओं का हिसाब लेगी कांग्रेस...': परगट सिंह की ताजपोशी में चन्नी ने नशा तस्करों पर साधा निशाना



चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के नए प्रधान परगट सिंह के पदभार ग्रहण समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री और जालंधर के सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पंजाब को नशा और गैंगस्टर मुक्त बनाने का संकल्प जताते हुए कहा कि राज्य के युवाओं को बचाना और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाना कांग्रेस की प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि नशे के कारण अपने बच्चों को खोने वाली मांओं के दर्द को समझना होगा और उनकी लड़ाई लड़नी होगी। चन्नी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी का उन्हें चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष बनाने के लिए आभार जताया। उन्होंने पंजाब के प्रभारी सचिन पायलट को ऊजार्वान युवा नेता बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पार्टी को आगे बढ़ने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि पंजाब की फिजा बदलने और लोगों को राहत दिलाने के लिए मिलकर काम करना होगा। चन्नी ने आरोप लगाया कि पंजाब में मौजूदा सरकार के दौरान रिश्वतखोरों और गैंगस्टरों को संरक्षण मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार और अपराध के मुद्दों पर सरकार को जवाब देना होगा।चन्नी ने कहा कि पंजाब के लोगों को ऐसी व्यवस्था चाहिए, जिसमें आम आदमी को न्याय मिले और परिवारों को अपने बच्चों के भविष्य की चिंता न करनी पड़े। उन्होंने किसानों के मुद्दे पर कहा कि किसान संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन उन्हें उचित मुआवजा नहीं मिल रहा। चन्नी ने सफाई कर्मचारियों और अन्य कर्मचारियों के साथ कथित मारपीट का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवाओं को रोजगार, नियुक्ति पत्र और बेहतर भविष्य देने की जरूरत है। चन्नी ने कहा कि कांग्रेस को कार्यकताओं के साथ मिलकर सभी वर्गों की लड़ाई लड़नी होगी। पार्टी बड़ी रैली के साथ अपने अभियान की शुरूआत करेगी और घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करेगी। उन्होंने परगट सिंह को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए कहा कि सभी नेताओं और कार्यकताओं को एकजुट होकर काम करना चाहिए। खुद को हैंडबॉल का खिलाड़ी और परगट सिंह को हॉकी का खिलाड़ी बताते हुए चन्नी ने कहा कि दोनों जानते हैं कि टीम में किस तरह तालमेल के साथ आगे बढ़ना है।

ताजपोशी के बाद एक्शन में परगट सिंह! बोले- पंजाब में तानाशाही के खिलाफ जारी रहेगा संघर्ष



चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के नए प्रधान परगट सिंह के पदभार ग्रहण समारोह में रविवार को पार्टी की एकजुटता और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति का संदेश देते हुए कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि पंजाब का मौसम इतनी जल्दी बदल जाएगा और यहां की फिजाएं इस तरह बदलेंगी, इसकी उम्मीद नहीं थी। दिल्ली से रवाना होते समय मौसम कुछ और था, लेकिन चंडीगढ़ पहुंचने पर बारिश के बीच भी कांग्रेस कार्यकताओं का जोश देखकर उन्होंने सभी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि गर्मी हो या बारिश,कांग्रेस कार्यकताओं ने पंजाब कांग्रेस का झंडा हमेशा ऊंचा रखा है। कार्यकताओं ने आज इसे साबित कर दिया है।पायलट ने नए प्रधान परगट सिंह को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें शानदार टीम मिली है। ऐसी टीम किसी के पास नहीं है। यह टीम गोल करने में माहिर है और सभी का सहयोग मिलने से पंजाब में कांग्रेस को आगे बढ़ने में परेशानी नहीं होगी। अब नौजवानों को साथ लेकर पंजाब के हर गांव, हर शहर और हर पिंड तक पहुंचना है। सचिन पायलट ने कहा कि अगले चार महीने केवल सत्ता हासिल करने या आम आदमी पार्टी की सरकार को हटाने का संघर्ष नहीं हैं, बल्कि पंजाब के भविष्य का चुनाव है। पंजाब की अहमियत और देश के विकास में पंजाबियों के योगदान को पूरा देश जानता है। उन्होंने आरोप लगाया कि साढ़े चार साल में भगवंत मान सरकार ने पंजाब को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्हें इस बात की भी परवाह नहीं है कि पंजाब के बच्चे नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं। पायलट ने पूर्व प्रदेश प्रधान राजा वड़िंग के कार्यकाल में पार्टी को मजबूत बनाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कठिन समय में वड़िंग ने संगठन को मजबूती देने का काम किया। वड़िंग ने अपने संबोधन में उन कार्यकताओं और नेताओं को नजरअंदाज नहीं करने की बात कही , जिन्होंने पिछले साढ़े चार साल में पार्टी के लिए मेहनत की।

लुधियाना से रूह कंपा देने वाला मामला, 11 महीने की मासूम से दुष्कर्म, दरिंदे की तलाश में जुटी पुलिस



लुधियाना (राज): इंसानियत को तार-तार कर देने वाला बेहद घिनौना और रूह कंपा देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक कलयुगी दरिंदे ने अपनी हवस का शिकार बनाने के लिए मात्र 11 महीने की दूधमुंही मासूम बच्ची को भी नहीं बख्शा। झुग्गी में अकेली सो रही मासूम के साथ आरोपी संजय कुमार ने अमानवीय दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। बच्ची की रोने और चीखने की आवाज सुनकर जब मां अंदर पहुंची, तो आरोपी झुग्गी से तेजी से बाहर भागता दिखाई दिया। अंदर मासूम खून से लथपथ हालत में मिली। मां के बयानों पर थाना डेहलों की पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए आरोपी संजय कुमार के खिलाफ गंभीर आपराधिक धाराओं के तहत केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दर्ज करवाए गए आधिकारिक बयानों के अनुसार पीड़िता की मां ने बताया कि वह मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करती है। घटना के समय उसने अपनी 11 महीने की मासूम बच्ची को झुग्गी के अंदर सुला दिया था और स्वयं झुग्गी के ठीक बाहर घरेलू कामकाज निपटा रही थी। घर में मासूम को अकेला देखकर पड़ोस में रहने वाला आरोपी संजय कुमार मौका पाकर दबे पांव झुग्गी के भीतर दाखिल हो गया। कुछ ही देर बाद झुग्गी के भीतर से मासूम बच्ची के जोर-जोर से रोने और तड़पने की आवाजें आने लगीं। बच्ची की दर्दनाक चीखें सुनकर मां वह घबराकर तुरंत झुग्गी के अंदर दौड़ी। जैसे ही वह दरवाजे पर पहुंची, उसने देखा कि आरोपी संजय कुमार बेहद हड़बड़ाहट और घबराहट में झुग्गी से बाहर निकलकर भाग रहा था। जब अंदर पहुंची तो वहां का खौफनाक मंजर देखकर उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। उसकी दूधमुंही बच्ची के नीचे के कपड़े उतरे हुए थे और उसके गुप्तांग से खून बह रहा था। मासूम दर्द से बुरी तरह तड़प रही थी। मां ने तुरंत शोर मचाकर आसपास के लोगों को इकट्ठा किया और गंभीर रूप से घायल बच्ची को उपचार व मेडिकल जांच के लिए तुरंत अस्पताल पहुंचाया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने दावा किया है कि आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जाएगा और सख्त सजा दिलाई जाएगी।

संभल में अचानक बदला मौसम का मिजाज, बूंदाबांदी से मिली गर्मी से राहत

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई में रविवार शाम को अचानक मौसम ने करवट ले ली। दिनभर के मौसम के बाद शाम होते-होते आसमान में काली घटाएं छा गईं। देखते ही देखते आसमान बादलों से घिर गया और हल्की बूंदाबांदी शुरू हो गई। मौसम में आए इस अचानक बदलाव से वातावरण सुहाना हो गया और लोगों को गर्मी से राहत महसूस हुई। आसमान में छाए काले बादलों और हल्की बूंदाबांदी ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया। रविवार शाम को अचानक आसमान में बादल छाने से लोगों का ध्यान मौसम की ओर आकर्षित हो गया। कुछ ही देर में



हल्की बूंदाबांदी शुरू होने से वातावरण में ठंडक महसूस होने लगी। मौसम सुहाना होने के चलते लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली। वहीं, आसमान में छाई काली घटाओं ने बारिश की संभावना का एहसास कराया। मौसम में आए इस बदलाव से शाम का नजारा भी बदला-बदला नजर आया। पिछले दिनों के मौसम के बाद रविवार शाम को हुए इस बदलाव ने लोगों को राहत का एहसास कराया। हल्की बूंदाबांदी के चलते सड़कों और खुले स्थानों पर मौसम खुशनुमा हो गया। ठंडी हवाओं और आसमान में छाए बादलों के बीच लोगों ने सुहाने मौसम का आनंद लिया। हालांकि, बूंदाबांदी हल्की ही रही, लेकिन इससे मौसम में ठंडक महसूस की गई। बहजोई में शाम के समय अचानक बदले मौसम को लेकर लोगों के बीच चर्चा होती रही। काली घटाओं के छाने और बूंदाबांदी होने से ऐसा लगा मानो मौसम ने अचानक अपना रंग बदल लिया हो। कुल मिलाकर रविवार शाम का मौसम लोगों के लिए राहत भरा रहा और हल्की बूंदाबांदी से वातावरण में खुशनुमा अहसास देखने को मिला।

'पहला पास परगट को ही दूंगा...' नए अध्यक्ष के समर्थन में उतरे रंधावा, बोले- 2027 में बनाएंगे सरकार



चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के नए प्रधान परगट सिंह के पदभार ग्रहण समारोह में रविवार को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं का पहुंचना जारी रहा। पंजाब कांग्रेस भवन, सेक्टर-15 में आयोजित समारोह में सांसद एवं वरिष्ठ नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा भी अपने समर्थकों के साथ पहुंचे। उन्होंने कहा कि पूरी पंजाब कांग्रेस एकजुट है और पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरेगी। परगट सिंह को मिलेगा पूरा समर्थन को पूरा समर्थन देने का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री भगवंत मान की ओर से सिंह को लेकर की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सभी नेता परगट सिंह के साथ हैं और उनकी अगुआई में विधानसभा चुनाव जीतने के लिए काम करेंगे।नए अध्यक्ष को रंधावा का पूरा सपोर्ट इसी दौरान उन्होंने कहा, विधानसभा चुनाव में पहला पास मैं ही परगट को दूंगा। उनके इस बयान को नए प्रदेश अध्यक्ष को पूरा सहयोग देने और उनके नेतृत्व में आगे बढ़ने के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।रंधावा ने कहा कि कांग्रेस हाईकमान की ओर से जिस भी नेता को जो जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, वह उसे पूरी निष्ठा से निभाएगा। पार्टी के कार्यकर्ता चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं और उन्हें पूरा विश्वास है कि पंजाब में अगली सरकार कांग्रेस की बनेगी।मान सरकार पर साधा निशाना उन्होंने पंजाब सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भगवंत मान सरकार ने लोगों को निराश किया है। सरकार के ईमानदारी के दावों और जमीनी हकीकत में अंतर है। कांग्रेस की सरकार बनने पर लोगों की उम्मीदों और मांगों को पूरा किया जाएगा। रंधावा ने दिल्ली के बंगला साहिब गुरुद्वारे में पुलिस की कथित दखलअंदाजी पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं पर पंजाब के लोगों को जवाब देना चाहिए।।समारोह में परगट सिंह के अलावा लवली शेरगिल, कल ढिल्लों, रजिया सुल्ताना और सुखपाल सिंह खेड़ा सहित कई नेता भी पहुंच चुके हैं।

सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पंजाब कांग्रेस के नए अध्यक्ष परगट सिंह को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि पूरी पार्टी एकजुट है और 2027 में पंजाब में कांग्रेस की सरकार बनेगी।

उदास मन और अवसाद को दूर करने के लिए अपनाएं ये प्राकृतिक उपचार

अवसाद और उदास रहने से आप असहाय महसूस कर सकते हैं। इससे लड़ने के लिए थेरेपी और कभी-कभी दवाए आपकी मदद कर सकती हैं। मगर आपको इससे निजात मिले ये जरूरी नहीं। अवसाद से आप अपने दम पर भी छुटकारा पा सकते हैं। अपने व्यवहार को बदलकर, आपकी शारीरिक गतिविधि, जीवनशैली और यहां तक कि आपके सोचने का तरीका ये सभी अवसाद से निपटने का प्राकृतिक उपचार हैं। यहां हम आपको कुछ आसान टिप्स बता रहे हैं जो आपको बेहतर महसूस करने में मदद कर सकते हैं। इसे आप अभी से शुरू कर सकते हैं।

अपनी दिनचर्या बनाएं

यदि आप डिप्रेस्ड या उदास रहते हैं तो आपको अपनी एक दिनचर्या बनाने की जरूरत है। मनोवैज्ञानिकों की मानें तो, जिन लोगों का कोई एक रूटीन नहीं होता है वह मानसिक रूप से खुद को स्वस्थ नहीं रख पाते हैं। अगर आप टाइम मैनेज करते हुए एक रूटीन बनाकर उसे फॉलो करेंगे तो काफी हद तक आप अवसाद को दूर कर पाएंगे। सुबह जागने, ब्रेकफास्ट, ऑफिस/कॉलेज, लंच, डिनर और सोने का समय निर्धारित करें। बेकार के कामों में मन लगाने के बजाए कुछ प्रोडक्टिव करें।

लक्ष्य निर्धारित करें

जब आप उदास होते हैं तो आपको जीवन में चारों तरह अंधेरा ही अंधेरा दिखाई देता है। इसलिए जीवन में लक्ष्य का होना बहुत जरूरी है। छोटे-छोटे लक्ष्य जीवन में आशा जगाते हैं और जब आप इन्हें पूरा करते हैं तो काफी हद तक खुद के लिए सुकून भरा होता है। इससे आपका अवसाद कहां चला जाता है, पता ही नहीं चलता। रोजाना कुछ नया और बेहतर करने की कोशिश करें। अपनी रुचि के अनुसार काम करें, जिसमें आपका मन लगता हो। ऐसा काम करें जिससे आपको खुशी मिलती हो।

स्वस्थ आहार चुनें

आहार में कोई जादू नहीं है, जो आपके उदास मन को ठीक कर देगा, मगर फिर भी आप क्या खाते हैं यह देखना बहुत जरूरी है, क्योंकि कुछ विटामिन और मिनरल्स हैं जो डिप्रेशन को कम करने में मददगार हो सकते हैं। एक शोध के मुताबिक ओमेगा-3 फैटी एसिड, फोलिक एसिड युक्त खाद्य पदार्थ अवसाद को कम करने में मदद करते हैं। बाहर की चीजों को अवाइड करें। जंक फूड का सेवन करने से बचें। इसके बदले अपने आहार में ज्यादा से ज्यादा फल और सब्जियों को शामिल करें।

रोजाना एक्सरसाइज करें

नियमित रूप से एक्सरसाइज करने से शरीर अस्थायी रूप से एंडोर्फिन नामक अच्छे हार्मोन को रिलीज करता है, डिप्रेशन से प्रभावित लोगों के लिए यह दीर्घकालिक लाभ हो सकता है। नियमित व्यायाम आपको सकारात्मक तरीके से प्रोत्साहित करेगा।

इसके लिए आपको मैराथन दौड़ या जिम ज्वाइन करने की भी जरूरत नहीं है, आपको सिर्फ रोजाना 30 से 60 मिनट किसी पार्क या घर की छत पर या किसी बाग में बिताना है, जहां आप वॉकिंग, रनिंग और स्ट्रेचिंग जैसी आसानी गतिविधियों में हिस्सा ले सकते हैं। मेडिटेशन काफी हद तक आपके अवसाद को दूर करने में मदद करता है। अवसाद के कारण कई बार नींद न आने की समस्या होने लगती है। ऐसी स्थिति में पर्याप्त नींद लेना बहुत जरूरी है, वरना अवसाद की स्थिति और बदतर हो जाती है। अच्छी नींद के लिए आपको वही सारी बातें फॉलो करने की जरूरत है, जो हमने आपको इस लेख में पहले बताया है, जैसे- सही समय पर जागना, एक्सरसाइज करना, स्वस्थ आहार लेना आदि। इसके अलावा उन चीजों से दूरी बनाएं जो आपकी नींद के लिए बाधक हैं, जैसे- मोबाइल, टीवी आदि।

नकारात्मक विचारों से दूर रहें

अवसाद के खिलाफ आपकी लड़ाई में सबसे बड़ी जिम्मेदारी आपकी मानसिकता का है- जैसेकि आप क्या सोचते हैं, उसे बदलना जरूरी है। जब आप उदास होते हैं, तो आपके दिमाग में नकारात्मक विचार उत्पन्न होते हैं। आपको ऐसा लग सकता है कि कोई भी आपको पसंद नहीं करता है, लेकिन क्या यह सही है आप खुद को ग्रह पर सबसे बेकार व्यक्ति की तरह महसूस कर सकते हैं, लेकिन क्या वास्तव में इसकी संभावना है ऐसा बिल्कुल नहीं है। यह सिर्फ आपके नकारात्मक विचार होते हैं, जिन्हें हराना संभव है।



जिम्मेदारियों को निभाएं

जब आप उदास होते हैं, तो आप अपनी तमाम जिम्मेदारियों से दूर भागने लगते हैं, ऐसा नहीं करें। इसमें शामिल रहना और दैनिक जिम्मेदारियों को निभाना आपको एक जीवनशैली बनाए रखने में मदद कर सकता है, जो अवसाद से निपटने में मदद कर सकता है। ये आपको जीवन में आगे बढ़ने का मौका देते हैं। यदि आप पूर्ण रूप से अपने कामों के लिए तैयार नहीं है तो आंशिक रूप से ही सही मगर खुद की जिम्मेदारियों को निभाना न भूलें।

रेसिपी



इंस्टेंट चकली

सामग्री

- पानी: 1 कप
- रवा: 1/2 कप
- बटर/डालडा /तेल
- चावल का आटा: 1 कप
- अजवाइन: 1/2 tsp
- लालमिर्च: 1 tsp
- सफेद दाल: 2 tsp
- हींग: 1 चुटकी
- हल्दी: 1 चुटकी
- नमक:1tsp

विधि

एक पैन में पानी को एक उबाल आने दें। अब इसमें रवा डालकर थोड़ा पकायें। थोड़ा ठंडा करके इसमें चावल का आटा और सारे मसाले डालकर बिना पानी के आटा लगा लें, यदि जरूरत हो तो थोड़ा गिला हाथ लगायें। अब अच्छे से मसल लें। अब चकली बनाकर तलें। ठंडी होने पर डब्बे में बंद करके रखें और परोंसे।



बालूशाही

सामग्री

- मैदा:1कप
- दही:1/3 कप
- आवश्यकतानुसार घी
- शक्कर पानी:1 कप
- नींबू का रस/नींबू का सत /टारटरी:1/4 tsp
- तलने के लिए घी/तेल

विधि

एक बाउल में मैदा और घी अच्छे से मिक्स करें मुटठी बंद मोयन डालना है। अब दही भी अच्छे से मिक्स करें और आवश्यकतानुसार पानी से आटा लगायें। खूप ज्यादा मसलना नहीं है। इस आटे को 1 घंटे के लिए आराम दें। अब शक्कर में 1/4 कप पानी डालें और पक्की चाशनी बना लें 1/4 tsp नींबू का रस मिक्स करें। अब तैयार आटे से छोटी-छोटी लोई बनाकर हल्के हाथ से गोल आकार दें। अब एकदम गुनगुने घी में गोलियों को एकदम मध्यम आंच पर बादामी रंग में तल लें। इन गोलियों को चाशनी में डालकर 3 मिनट रखकर चलनी में रखें, जिससे अतिरिक्त चाशनी निकल जाएगी। अब तैयार बालूशाही को पिस्ते से सजाकर परोंसे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर — मे जा जी खी खू खे खो गा गी

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

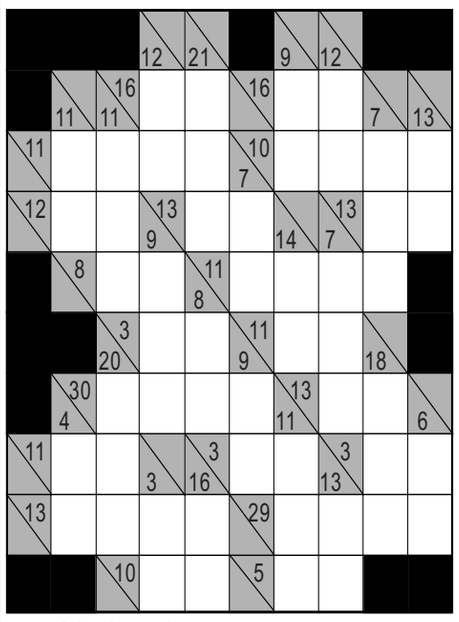
कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन — दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

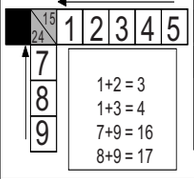
कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

काकुरो पहेली - 4036



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4035 का हल

■	■	11 4	■	■	23 10	■	■	■
■	3 6	2	1	■	7 13	6	1	10
6	2	1	3	29 19	5	8	9	7
4	1	3	24 21	8	7	9	3 10	2
15	3	5	4	2	1	6 23	2	1
■	8	17 11	8	9	7 18	6	1	30 19
24	7	8	9	34 7	9	8	7	6
3	1	2	17 4	1	7	9	13 15	7
■	10	1	3	4	2	24	7	8
■	■	3	1	2	■	17	8	9

लॉफिंग ज़ोन

डॉक्टर ने रमन के सिर पर ड्रेसिंग करने के बाद पट्टी बाँध दी और पूछा कि चोट कैसे लगी है?

रमन- छोड़ो डॉक्टर! लंबी कहानी है।

डॉक्टर- फिर भी सुनना चाहता हूँ।

रमन- बात यह है कि पिछले हफ्ते पत्नी मायके गई हुई थी। मैं भी हवा बदलने रविवार को होटल में जा टिका। मेरे बगल के कमरे में एक खूबसूरत औरत थी। रात ग्यारह बजे उसने दरवाजा खटखटाया और माफी माँगते हुए कहा कि उसे ठंड लग रही है अगर मैं कुछ मदद कर सकूँ तो वह आभारी रहेगी। मैंने एक कम्बल दे दिया। थोड़ी देर बाद वह फिर आ गई और वही शिकायत करने लगी। मैंने उसे अपना ओवरकोट दे दिया।

आज जब मैं हथौड़ी से कील ठोंक रहा था तो अचानक मुझे समझ में आया कि उस दिन वह क्या चाह रही थी और बस, मैंने हथौड़ी अपने सिर पर दे मारी।

□ □ □

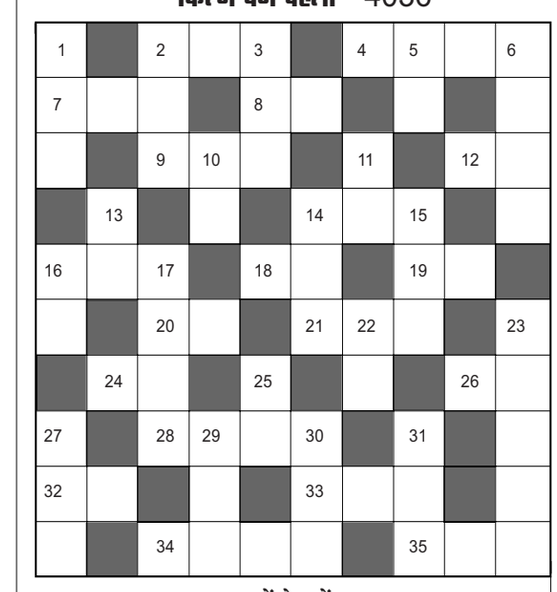
अफरीदी (शोएब से)- हम सचिन को सेंचुरी नहीं बनाने देंगे।

शोएब- मगर हम उसे रोकेंगे कैसे? वो तो फॉर्म में है।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 4036



बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी ?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका ?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है ?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे ?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१.'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी ?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 4035

रि	फ्यू	जी	■	बे	मि	सा	ल	■	क
शि	■	न	म्र	ता	■	या	■	फ	र्ज
ता	क	त	■	बी	ना	■	सु	र	■
■	र्त	■	श्र	■	स्ति	■	■	दी	षा
दि	व्य	श्र	क्ति	■	क	न्या	दा	न	■
ल	■	रा	■	रो	■	■	ग	■	ई
से	ह	रा	■	श्र	मीं	ली	■	घा	त
■	थि	■	स	नी	■	ला	रा	■	का
द	या	वा	न	■	पों	■	जा	लि	म
स	र	■	म	न	च	ली	■	सा	■

सूडोकु -4036

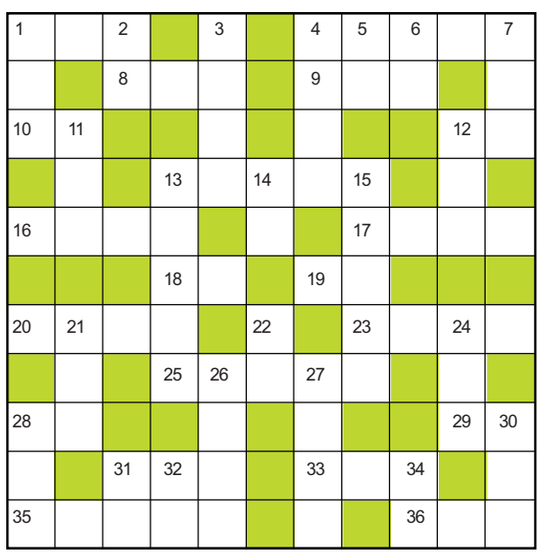
		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4035 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

शब्द पहेली - 4036



बाएँ से दाएँ

1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़पन्न-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे

1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली -4035 का हल

म	न	मो	ह	न	■	र	बा	ना	हो	ना
न	■	म	क	र	■	त	ल	ना	■	का
मो	ह	■	■	गि	■	ज	■	■	क	म
ह	म	■	आ	स	ल	गा	ना	■	मा	या
क	ल	र	ब	■	क्ष्य	■	म	त	ल	ब
■	■	■	■	भ	ला	■	जो	र	■	■
ज	ग	म	ग	■	मौ	■	ख	चा	ख	च
मी	ल	■	त	म	त	मा	ना	■	र	म
न	त	■	■	हा	■	ल	■	■	ल	क
दा	■	म	चा	न	■	खा	रि	श	■	दा
र	म	णी	य	ता	■	ना	ट	क	का	र



जिंदगी में धक्के लगने पर संभालते हैं कुछ लोग

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में अपनी फिल्मों से अपनी अलग छाप छोड़ने वाली एक्ट्रेस दिव्या दत्ता अपनी 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर चर्चे में हैं। उन्होंने औरतों से लेकर मनोज बाजपेयी संग काम करने को लेकर बात की है।

तकरीबन 30 साल इंडस्ट्री में बिताने वाली दिव्या दत्ता अपने करियर में नैशनल अवॉर्ड की हकदार भी रहीं। अनगिनत भूमिकाएं जी चुकीं दिव्या पिछले दिनों 'चिड़िया' में अपने रोल के लिए खूब सराही गईं। इन दिनों मनोज बाजपेयी के साथ वे 'लास्ट मैन इन टावर' की सशक्त भूमिका से चर्चा में हैं। उनसे एक खास मुलाकात।

आज भी मां से बातें करती हूं

दिव्या दत्ता के लिए उनकी मां बहुत बड़ी इंस्पिरेशन रही हैं। उनकी मां के गुजर जाने के बाद वे लंबे समय तक अवसाद में रहीं, मगर आज भी वे अपनी मां को अपने करीब महसूस करती हैं। वे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि मां के साथ का रिश्ता हर किसी के लिए अनकंडीशनल होता है, जहां आपको कुछ जताने की, बताने की जरूरत महसूस नहीं होती। आज वो हमारे बीच नहीं हैं, मगर आज भी मैं उनसे बात करती हूं। वो एक जो स्ट्रेंथ है, वो बाहर से ड्राइव करती थीं, आज वो अंदर से आती है। सवाल हजार उठते हैं, कन्फ्यूजन होता है, कई बार लगता है ये रोल करूं या न करूं, कई बार कश्मकश के हालात पैदा होते हैं, मगर फिर मुझे जवाब मिल जाता है। उन्होंने कहा, 'मैं समझती हूं कि जिनसे आप जने होते हैं अर्थात जिनसे आपका जन्म हुआ होता है, आप वो अवसान के बाद भी कहीं नहीं जाते। वो तो आपके आसपास ही रहते हैं। जब भी आप मुश्किल में होते हैं, कहीं न कहीं आपका हाथ थाम लेते हैं। जब जिंदगी में आपको कुछ धक्के लगते हैं, तब वो कार के सस्पेंशन टायर की तरह आपको संभाल लेते हैं।'

औरतें पहले खुद को संवारें

हाल ही में रिलीज हुई दिव्या की फिल्म लास्ट मैन इन टावर में दिव्या ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है, जो जिंदगी से थक चुकी है और अब अपनी खुशियों के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। एक औरत की निजता, उसका मी टाइम और उसके ख्वाब कितने जरूरी हैं? इस पर दिव्या दत्ता कहती हैं, 'हम महिलाओं की कंडीशनिंग ही ऐसी हुई है कि हम दूसरों के बारे में पहले सोचते हैं। हमारे मल्टीटास्किंग होने की जद्दोजहद में हम महिलाएं जीना भूल जाती हैं
मुझे क्या अच्छा लगता है? मुझे याद है, कोविड में हम बैडमिंटन खेला करते थे, तो एक दिन मैंने सोसायटी की एक आंटी से कहा कि वो भी बैडमिंटन खेलने आएं। वो बोलीं, 'मैं बचपन में खेला करती थी, अब कहां?' तो ये जो 'अब कहां?' है न ये महिलाओं की सबसे बड़ी रुकावट है। कई बार मुझे समझ नहीं आता, 'अब कहां?' यानी क्या?'

मुखौटे पहनकर ट्रोलिंग की जाती है

सोशल मीडिया को हैंडल करने के मुद्दे पर वे कहती हैं, 'हर चीज के फायदे-नुकसान दोनों होते हैं। आज दुनिया सिमट गई है। फायदा ये है कि आप अगर अपने काम के बारे में कुछ शेयर करना चाहते हैं, तो खबर तुरंत पूरी दुनिया में फैल जाती है। आपको तुरंत रिस्पॉन्स आज आता है। मैं इस मामले में बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे ट्रोलिंग का सामना नहीं करना पड़ा, मगर जो लोग मुखौटे पहनकर सोशल मीडिया पर ट्रोल करते हैं, उन्हें इग्नोर करना बेहतर होता है। आप चाहे मिसोजनी की बात करें या आम ट्रोलिंग की, उस पर रिएक्ट करना है या उसे इग्नोर करना है, ये हमारे हाथ में होता है। हमारी शांति उसी में है कि हम अपना काम करते रहें और लगातार उसी पर फोकस करें। सोशल मीडिया पर एक पर्सेंट लोग आपको ट्रोल करना चाहते होंगे, बाकी के 99 फीसदी लोग आपको बहुत प्यार करते हैं, जो आपके ट्रोल्स से वही पर भिड़ जाते हैं। वहां पर अनगिनत लोग आपके लिए खड़े भी होते हैं, तो हमें अपना अच्छा काम करते रहना है।'

मनोज बाजपेयी के साथ काम करने का मौका

'मैंने लास्ट मैन इन टावर से पहले भी मनोज बाजपेयी के साथ वीर जारा, स्पेशल छब्बीस, एलओसी कारगिल, ट्रैफिक आदि में काम किया था, मगर हमारे कभी भी कोई सीन साथ में नहीं रहे। लास्ट मैन इन टावर में मुझे पहली बार मनोज बाजपेयी जैसे जादू को महसूस करने का मौका मिला। उनके साथ काम करके बहुत मजा आया। बहुत जल्द हम एक और फिल्म में साथ दिखेंगे।'



टीवी को 'डस्टबिन मीडियम' कहने पर रोहित रॉय ने दी सफाई

रोहित रॉय छोटे पर्दे के जाने-माने अभिनेताओं में से एक हैं। वह अपने लगभग 30 वर्षों के करियर में कई हिट टीवी शो में काम कर चुके हैं। इनमें 'स्वाभिमान', 'कुसुम', 'भाभी' और कई अन्य शो शामिल हैं, लेकिन एक्टर पिछले कुछ समय से अपने एक बयान को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। दरअसल, अभिनेता ने एक इंटरव्यू में बात करते हुए भारतीय टेलीविजन को 'डस्टबिन मीडियम' बता दिया था, जिसके बाद उनके बयान की खूब आलोचना हुई। अब रोहित रॉय ने इस पर सफाई देते हुए कहा है कि वह किसी व्यक्ति विशेष के बारे में नहीं था। सिर्फ इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी बताया कि कुछ युवा कलाकारों ने बिना पूरी बात समझे उन पर पर्सनल अटैक किए।
अभिनेता ने कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा हैरानी इस बात से होती है कि कुछ युवा कलाकारों ने पूरा इंटरव्यू देखे बिना, सिर्फ क्लिकबेट हेडलाइन देखकर मेरे खिलाफ प्रतिक्रिया दी और मुझ पर पर्सनल हमले किए। जब मैं 'डस्टबिन मीडियम' कहता हूं, तो मेरा मतलब यह है कि हम कुछ भी बनाते हैं और टीवी पर दिखा देते हैं और सोचते हैं कि लोग इसे देखेंगे।' एक्टर ने आगे कहा, 'जो भी क्रिएटिव है और टेलीविजन को बेहतर बनाना चाहता है, उससे मैं यही कह रहा हूं कि आज हम जिस तरह का कंटेंट बना रहे हैं, वह उस स्तर का नहीं है। मैं आज ओटीटी क्यों देख रहा हूं? क्योंकि वहां मुझे कुछ बेहतरीन चीजें देखने को मिल रही हैं।'
रोहित ने कहा कि लोकतंत्र में लोग उनसे असहमत हो सकते हैं, लेकिन उन्हें पहले उनके बयान का संदर्भ समझना चाहिए। अभिनेता ने उन कलाकारों पर भी नाराजगी जताई, जिन्होंने उनके खिलाफ बयान दिए। एक्टर ने कहा, 'मैंने किसी एक्टर, डायरेक्टर या प्रोड्यूसर के बारे में बात नहीं की थी। तो उन 3-4 लोगों के बारे में सोचिए, जिन्होंने टीवी पर कमेंट किया। उन्होंने टीवी पर उतनी मेहनत नहीं की है, जितनी मैंने की है। लेकिन इस विवाद को खत्म करने के लिए मैं इतना कहना चाहता हूं कि मैंने हमेशा टेलीविजन के हित के बारे में सोचा है। पिछले 30 वर्षों से मैं टेलीविजन के लिए आवाज उठाता रहा हूं।'



श्रेया सरन ने की 'दृश्यम 3' को-स्टार अजय देवगन की तारीफ

'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में अजय देवगन ने विजय सालगांवकर के किरदार से दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। अब फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' को लेकर दर्शकों की नजरें अजय देवगन और पूरी स्टारकास्ट पर हैं। इसी बीच फिल्म में नंदिनी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री श्रेया सरन ने अजय देवगन के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने अभिनेता के डायलॉग बोलने के अंदाज और काम के प्रति उनके जुनून की जमकर तारीफ की। बातचीत में श्रेया सरन ने कहा, ''अजय अपनी आंखों के जरिए बहुत कुछ कह देते हैं। उनकी आंखों में एक अलग तरह की ताकत है, जो उनके किरदार की भावनाओं को बिना ज्यादा शब्दों के भी सामने ले आती है। उनका डायलॉग डिलीवरी का तरीका भी काफी अलग है। वह शानदार एक्टर हैं।''
श्रेया ने अजय देवगन की मेहनत और काम के प्रति अनुशासन की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ''अजय अपने काम को लेकर काफी गंभीर रहते हैं और किसी सीन को बेहतर बनाने के लिए पूरी मेहनत करते हैं। उन्हें किसी और टेक की जरूरत नहीं पड़ती। उनके अंदर काम को लेकर काफी जुनून है।'' अभिनेत्री ने फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'अभिषेक पाठक ने 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी की कहानी को लेकर काफी मेहनत की और स्क्रिप्ट पर लंबा समय दिया। वह कहानी के हर मोड़ और ट्विस्ट को ध्यान से समझते हैं, फिर उसे पर्दे पर सही तरीके से पेश करने की कोशिश करते हैं।'
श्रेया ने अपने किरदार नंदिनी को लेकर भी बात की



और कहा, ''मैं नंदिनी को अच्छी तरह समझती हूं और जानती हूं कि यह किरदार किस तरह सोचता और महसूस करता है। हालांकि, कहानी में आने वाले कुछ बदलाव ऐसे थे, जिनकी मैंने भी उम्मीद नहीं की थी।' 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में श्रेया सरन ने अजय देवगन के किरदार विजय सालगांवकर की पत्नी नंदिनी की भूमिका निभाई है। विजय अपने परिवार को बचाने के लिए हर बार बेहद सोच-समझकर कदम उठाता है और मुश्किल हालात में भी ऐसा रास्ता खोजता है जिससे पुलिस और कानून की पकड़ से परिवार को बचाया जा सके। 'दृश्यम : द कन्क्लूजन' में अजय देवगन और श्रेया सरन के अलावा तब्बू, जयदीप अहलावत, रजत कपूर, प्रकाश राज, इशिता दत्ता और मृणाल जाधव जैसे कलाकार भी हैं।
'दृश्यम: द कन्क्लूजन' इसी नाम की मलयालम फिल्म का हिंदी रूपांतरण है। इस कहानी को तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषाओं में भी बनाया जा चुका है। हिंदी फ्रेंचाइजी की पिछली फिल्मों के बाद अब तीसरी फिल्म की कहानी को लेकर दर्शकों के बीच दिलचस्पी बनी हुई है। 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' 2 अक्टूबर से सिनेमाघरों में उपलब्ध है।



फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' के सफर को शीना चौहान ने बताया शानदार

अभिनेत्री शीना चौहान की तेलुगु साइकोलॉजिकल इन्वेस्टिगेटिव क्राइम थ्रिलर फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' रिलीज के लिए लेकर तैयार है। अभिनेत्री ने फिल्म में कॉप की भूमिका अदा करने का अनुभव शेयर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की शूटिंग से जुड़ी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनके साथ अभिनेता जेडी चक्रवर्ती नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, 'जातस्य मरणं ध्रुवम' शूटिंग के दौरान जेडी चक्रवर्ती के साथ एक स्पेशल पल। कुछ किरदार कैमरा बंद होने के बाद भी आपके साथ रह जाते हैं। आईपीएस ऑफिसर और कॉप का किरदार निभाना बहुत ही शानदार रहा! आप सब क्या देखने वाले हैं, इसके लिए मैं और इंतजार नहीं कर सकती।'
श्रवण जोन्नादा द्वारा निर्देशित फिल्म का शीर्षक भगवद्गीता के एक प्रसिद्ध श्लोक से प्रेरित है, जिसका अर्थ है 'जिसका जन्म हुआ है, उसकी मृत्यु निश्चित है।' फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर और संगीत मशहूर संगीतकार गिब्रान ने तैयार किया है जबकि फिल्म का निर्माण सुलक्ष एंटरटेनमेंट मीडिया के बैनर तले मलकापुरम शिव कुमार कर रहे हैं। फिल्म में अभिनेत्री शीना चौहान के साथ जेडी चक्रवर्ती, नरेश अगस्त्य, सीरत कपूर, शीना चौहान, प्रीति जंघियानी, हितेन तेजवानी और राजेश शर्मा जैसे उम्दा कलाकार नजर आएंगे। फिल्म में जेडी चक्रवर्ती एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और अभिनेत्री शीना चौहान उनकी असिस्टेंट पुलिस अधिकारी 'अनुषा' के रोल में एक्शन और मार्शल आर्ट्स का दम दिखाती नजर आएंगी। यह फिल्म रहस्य, सस्पेंस, अप्रत्याशित ट्विस्ट, फॉरेंसिक सुरागों और मानसिक माइंड गेम्स से भरपूर एक गहन खोजी कहानी है। फिल्म की कहानी एक मर्डर के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें दर्शकों को चौंकाने वाले ट्विस्ट देखने को मिलेंगे।
यह फिल्म तेलुगु भाषा के साथ-साथ हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज के लिए तैयार की गई है। तेलुगु थ्रिलर फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' सितंबर-अक्टूबर 2026 के बीच सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए निर्धारित की गई है। फिल्म के निर्देशक श्रवण जोन्नादा ने हाल ही में पुष्टि की है कि वे इस अवधि के दौरान एक बड़े पैमाने पर फिल्म को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

'हुंकार: द रोअर' में जसलीन का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा

हाल ही में रिलीज हुई 'हुंकार: द रोअर' को मिल रहे प्यार और तारीफों से फातिमा सना शेख बेहद खुश हैं। कोर्टरूम ड्रामा अपनी कहानी और मुद्दों को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। फातिमा ने लिखा, 'जसलीन का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा। शो बनाते वक्त शायद मुझे इस बात का अंदाजा नहीं था कि इसका लोगों पर इतना असर होगा या यह आज भी इतना प्रासंगिक लगेगा। जिस तरह हमारे देश में कई मीनू हैं, उसी तरह कई जसलीन भी हैं... ऐसे पुलिस अधिकारी जो सच में कुछ अच्छा करना चाहते हैं, लोगों की परवाह करते हैं और हर मुश्किल के बावजूद अपनी कोशिश जारी रखते हैं।' उन्होंने आगे लिखा, ''हुंकार' को मिल रहे इतने प्यार से मेरा दिल भर आया है। इसे देखने, इसे महसूस करने और इन जरूरी बातचीत का हिस्सा बनने के लिए आप सभी का शुक्रिया।



बदकिस्मती से 'डॉन 3' के लिए फरहान से कोलैबोरेशन नहीं हो रहा है

तमिल अभिनेता अर्जुन दास ने बताया है कि फिल्ममेकर फरहान अख्तर ने उन्हें 'डॉन 3' के लिए अप्रोच किया था। हालांकि अभिनेता ने अपने किरदार के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने कन्फर्म किया कि वह फरहान से मिले थे और प्रोजेक्ट पर बातचीत भी हुई थी। बातचीत में अर्जुन ने कहा, 'मैं बहुत खुशकिस्मत था कि मुझे फरहान सर का कॉल आया। हम मिले थे, हमने बातचीत भी की थी, लेकिन बदकिस्मती से अब यह कोलैबोरेशन नहीं हो रहा है।'

अभिनेता ने जताई उम्मीद

भले ही यह प्रोजेक्ट सफल नहीं हो पाया, लेकिन अर्जुन को उम्मीद है कि वे भविष्य में फरहान के साथ काम करेंगे। फिल्ममेकर की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है और मैं आशा करता हूं कि मुझे जल्द ही फरहान सर के साथ काम करने का मौका मिलेगा। मुझे लगता है कि वह अब तक मिले सबसे अच्छे और विनम्र लोगों में से एक हैं। तो हां, मैं इस बारे में झूठ नहीं बोलना चाहता। यह कोलैबोरेशन होने वाला था, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है।' इसी बातचीत के दौरान अर्जुन ने यह भी बताया कि वे जल्द ही एक हिंदी प्रोजेक्ट में नजर आएंगे, जो अभी पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है।



स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।